दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 25 | अंक : 315 रायपुर, सोमवार, 22 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 विशेष गहन पुनरीक्षण...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

घनश्याम सिंह गुप्त के ... 4

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने एनटीपीसी सीपत के 6.25 करोड़ के सीएसआर कार्यों का किया उद्घाटन व भूमिपूजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

परियोजना प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को गति देते हुए, राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशनङ्कएनटीपीसी) सीपत द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटीङ्कसीएसआर) के अंतर्गत लगभग ?6.25 करोड़ की लागत से किए जा रहे विकास कार्यों का उद्घाटन एवं भूमिपूजन कार्यक्रम ग्राम पंचायत कर्रा में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्ण हो चुके ?4.53 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया, जबकि लगभग ?1.72 करोड़ की लागत से प्रस्तावित नए विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। उद्घाटन एवं भूमिपूजन माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार तथा सांसद, बिलासपुर, श्री तोखन साहू द्वारा किया गया।

इस अवसर पर माननीय विधायक, मस्तूरी, श्री दिलीप लहरिया; अध्यक्ष, जिला पंचायत, बिलासपुर, श्री राजेश सूर्यवंशी; मस्तूरी के पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी; तथा परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सीपत, श्री विजय कृष्ण पाण्डेय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

एनटीपीसी सीपत के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना प्रभावित ग्राम पंचायतों—कर्रा, सीपत, गतौरा, रलिया, जांजी, देवरी, कौड़िया, रांक एवं दर्राभाटा—में कुल 12 विकास कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जिनका इस अवसर पर उद्घाटन किया गया। इसके अतिरिक्त चार नए विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया। इन कार्यों में आधारभूत संरचना का विकास, तालाबों का पुनरुद्धार तथा शिक्षा से संबंधित सुविधाओं का विस्तार शामिल है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में एनटीपीसी सीपत द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सीएसआर के माध्यम से क्षेत्रीय विकास को सशक्त आधार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित एनटीपीसी सीपत देश के विभिन्न राज्यों को विद्युत आपूर्ति कर रही है तथा निर्माणाधीन 800 मेगावाट की परियोजना पूर्ण होने के पश्चात इसकी भूमिका राष्ट्रीय विकास में और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने औद्योगिक विकास, शिक्षा और आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण को समावेशी एवं सतत विकास का आधार बताया।

माननीय विधायक श्री दिलीप लहरिया ने अपने संबोधन में परियोजना प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में एनटीपीसी सीपत की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास ही देश के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है और एनटीपीसी सीपत इस दिशा में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि सीएसआर के अंतर्गत किए जा रहे कार्य ग्रामीण विकास के लिए मील का पत्थर सिद्ध हो रहे हैं, जिससे न केवल सुविधाओं का विस्तार होगा बल्कि स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी तथा जनपद अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती देवी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए एनटीपीसी सीपत के सामाजिक विकास कार्यों की सराहना की और कौशल विकास तथा सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़े प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक श्री विजय कृष्ण पाण्डेय ने एनटीपीसी सीपत द्वारा संचालित सीएसआर गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंजिनेश शुक्ला भाजयुमो में फिर मिली अहम जिम्मेदारी

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) छत्तीसगढ़ की प्रदेश टीम में पदाधिकारियों की नई घोषणा की गई है। यह नियुक्तियां प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव की अनुशंसा पर की गई हैं। इस टीम में बिलासपुर हाईकोर्ट के प्रमुख अधिवक्ता अंजिनेश अंजय शुक्ला को पुनः महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें प्रदेश सह प्रमुख (विधि एवं तकनीक) नियुक्त किया गया है। रायपुर निवासी श्री शुक्ला पार्टी के विधिक मामलों में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। वे पार्टी के विभिन्न कानूनी मुद्दों पर मजबूत पैरवी करते आए हैं। नई नियुक्ति पर अंजिनेश शुक्ला ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी हित में वे पहले से कहीं अधिक सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। ज्ञात हो कि अंजिनेश अंजय शुक्ला इससे पूर्व भाजयुमो की टीम में प्रदेश सह प्रभारी (शासकीय योजना स्वाध्याय मंडल) की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उससे पहले वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एवं संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठनों में विधि प्रमुख के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी कानूनी विशेषज्ञता और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें फिर से प्रमुख पद सौंपा है। इस नियुक्ति की घोषणा के बाद भाजयुमो एवं भाजपा के नेताओं–कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनके शुभचिंतकों, साथी अधिवक्ताओं, भाजयुमो पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत रूप से बधाई संदेश भेजकर हर्ष व्यक्त किया है। श्री शुक्ला की विधिक एवं तकनीकी विशेषज्ञता से युवा मोर्चा को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी के कानूनी मामलों में नई ऊर्जा आएगी। भाजयुमो की यह नई टीम प्रदेश में पार्टी को युवा स्तर पर मजबूत करने तथा आगामी संगठनात्मक एवं चुनावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार की गई है। श्री शुक्ला जैसे अनुभवी एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की नियुक्ति से युवा मोर्चा के कार्यों में और गति आएगी।

बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर मंत्री देवांगन ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ श्री लखन लाल देवांगन, केबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन (वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री) तथा श्रीमती संजू देवी राजपूत, महापौर नगर पालिक निगम के मुख्य आतिथ्य में नन्हें बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रानी धनराज कुवंर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोरबा में किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी. के. सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री पद्माकर शिन्दे, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक राज, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. यामिनी बोडे एवं डॉ. अन्नपूर्णा बोडे, श्री प्रफुल्ल तिवारी, श्री नरेन्द्र पाटनवार सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिले के समस्त विकासखण्डों में भी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया।

मंत्री श्री देवांगन ने पल्स पोलियो अभियान के प्रथम चरण के शुभारंभ पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाने में सहयोग करें। जिले में शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु सुदृढ़ कार्ययोजना बनाई गई है। इसके अंतर्गत जिले में कुल 1578 टीकाकरण बूथ स्थापित कर टीकाकरण कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। साथ ही प्रत्येक पारा–मोहल्ला, चौक–चौराहा, बाजार एवं हॉट में भी 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाने की व्यवस्था की गई। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुपरवाइजरों की तैनाती की गई है।

पल्स पोलियो अभियान के प्रथम दिवस जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर लक्षित 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1,72,423 शिशुओं के विरुद्ध 1,69,355 शिशुओं को पल्स पोलियो की दवा पिलाई गई, जिससे जिले की उपलब्धि 98.22 प्रतिशत रही। शेष छूटे हुए बच्चों को 22 एवं 23 दिसम्बर 2025 को कार्यकर्ता दल द्वारा गृह भ्रमण कर पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी।

ऑपरेशन साइबर शील्ड अंतर्गत कार्यवाही, शेयर ट्रेडिंग के नाम से ठगी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज श्री अमरेश मिश्रा द्वारा रेंज साइबर थाना रेंज रायपुर की टीम को साइबर अपराधों में तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के संबंध में निर्देश दिया गया है। प्रार्थी सतीश शर्मा रायपुर ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 44 लाख रुपए की ठगी होने की रिपोर्ट रेंज साइबर थाना में दर्ज कराई, रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 5/24 धारा 318(4),111,3(5) बीएनएस, 66(D) IT एक्ट पंजीबद्ध किया गया। विवेचना क्रम मे कार्यवाही करते हुए आरोपियों द्वारा उपयोग किए गए बैंक खातों एवं मोबाइल नंबरों की जानकारी प्राप्त की गई। कंवलजीत सिंह विग और उज्ज्वल जायसवाल द्वारा म्यूल खाता के माध्यम से अन्य साथियों की सहायता से उक्त बैंक खातों में प्रार्थी से रकम जमा करवाए गए थे। इन बैंक खातों में अलग अलग राज्यों के 18 से अधिक पुलिस थाना एवं साइबर सेल मे रिपोर्ट दर्ज है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा हेतु भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी

1. कंवलजीत सिंह विग पिता प्रद्युम्न सिंह विग उम्र 38 वर्ष पता डोंगर परासिया छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश
2. उज्जवल जायसवाल पिता उपेन्द्र जायसवाल उम्र 19 वर्ष पता भिलाई दुर्ग

मरीन ड्राइव, तेलीबांधा में तुलसी पूजन दिवस का विराट आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं, पर्यावरण संरक्षण तथा पारिवारिक संस्कारों के पुनर्जागरण के उद्देश्य से संत श्री आशारामजी बापू द्वारा प्रेरित तुलसी पूजन दिवस का भव्य आयोजन मरीन ड्राइव, तेलीबांधा, रायपुर में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए महिलाओं, युवाओं, बच्चों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, दीप प्रज्वलन एवं भजन–कीर्तन के साथ पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय संकल्प से गूंज उठा।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि तुलसी माता भारतीय जीवन पद्धति का अभिन्न अंग हैं। वे केवल एक पौधा नहीं, बल्कि धर्म, स्वास्थ्य, पर्यावरण और परिवार की सुख–समृद्धि की प्रतीक हैं। संत श्री आशारामजी बापू जी द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे तुलसी पूजन अभियान ने

समाज को पुनः प्रकृति से जोड़ने और भारतीय संस्कारों को जीवंत रखने का कार्य किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य मुख्य अतिथि महंत वेदप्रकाशाचार्य जी महाराज, लक्ष्मीनारायण मंदिर, रामकुंड ने कहा— आज के भौतिकतावादी और प्रदूषित वातावरण में तुलसी पूजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संतुलन का वैज्ञानिक उपाय है। संत श्री आशारामजी बापू जी की प्रेरणा से यह अभियान समाज को सकारात्मक दिशा दे रहा है। यदि हर घर में तुलसी का पौधा हो और उसका नियमित पूजन किया जाए, तो न केवल वातावरण शुद्ध होगा, बल्कि परिवारों में भी शांति, सद्भाव और संस्कारों का विकास होगा।

विशिष्ट अतिथि श्री भगवती शर्मा, सामाजिक समरस्ता प्रमुख, विश्व हिन्दू परिषद ने कहा— तुलसी पूजन से घर का वातावरण पवित्र रहता है। यह हमारी आने वाली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य का संदेश

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि तुलसी में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो वायु को शुद्ध करने के साथ–साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। आधुनिक विज्ञान भी तुलसी के स्वास्थ्यवर्धक और पर्यावरणीय लाभों को स्वीकार करता है। ऐसे समय में, जब प्रदूषण, तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ बढ़ रही हैं, तुलसी पूजन जैसे आयोजनों की अत्यधिक आवश्यकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला अस्पताल, एमसीबी में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2025 का भव्य एवं विधिवत शुभारंभ माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया गया।

51 हजार बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य, 542 बूथ और 1800 कर्मियों की तैनाती

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 51 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान 21, 22 एवं 23 दिसंबर तक तीन दिनों तक चलेगा। प्रथम दिन सभी बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है, जबकि दूसरे एवं तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करेंगी। इसके लिए जिले भर में कुल 542 बूथ बनाए गए हैं तथा लगभग 1800 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला अस्पताल का निरीक्षण भी किया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र राय द्वारा उन्हें मरीजों की संख्या, मरीजों के आवागमन, वर्तमान में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। श्री जायसवाल ने अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए तथा आश्वासन दिया कि जो उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं रायपुर और बिलासपुर में उपलब्ध हैं, वे भविष्य में एम.सी.बी. जिले में भी उपलब्ध कराई जाएंगी। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में भर्ती बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल–चाल जाना और उन्हें फ्रूट बास्केट का वितरण किया।

माना टेमरी विंगस स्कूल बड़े धूमधाम से वार्षिक उत्सव मनाया गया

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माना टेमरी विंगस स्कूल बड़े धूमधाम से वार्षिक उत्सव मनाया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय यादव उपाध्यक्ष के.ऐबु भूतपूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्यामा विशेष अतिथि प्रसाद चक्रवर्ती खोकन कुंडू हिंदू संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सभी मिलकर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम को शुभारंभ किया सर्वप्रथम सरस्वती वंदना से प्रारंभ हुआ और स्वागत गीत से इसके बाद बढ़–चढ़कर छात्र–छात्रा

छोटे–छोटे बच्चे द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दिया बरसाने की राधा, छोटा बच्चा जान के इसी प्रकार अनेक गाने पर छात्र–छात्राएं बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और छोटे–छोटे बच्चे द्वारा एक से एक बढ़कर गाने पर थिरकने सेअभिभावक प्रफुल्लित हुए वार्षिक उत्सव में देखा गया है कि अभिभावक अपने–अपने बच्चों के कार्यक्रम को देखने के लिए उत्साह दिखा और कार्यक्रम के संचालक सचिव, प्राचार्य,प्रधान पाठक के द्वारा यहां वार्षिक उत्सव नगर पंचायत के मंगल भवन में संपन्न हुआ।

साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे स्वदेशी मेले के रविवार की शुरुआत

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारत / 2047 विषय से हुई जिसमें मुख्य अतिथि माननीय डॉ. पीयूष कांत पांडे (कुलपति–एमिटी विष्वविद्यालय) थ। उन्होनें कहा कि स्वदेषी और आज के परिप्रेक्ष्य में विकसित भारत बनाए मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मनकामना मिश्रा (प्रीसिंपल इंजीनियर– सिस्को सिस्टम) उन्होनें कहा स्वदेषी से ही स्वावलंबन होगा एवं 2047 के पूर्व ही भारत विष्वगुरू बन जाएगा। सुमन जी ने भारत /2047 की जानकारी, प्रस्तावना में दी । संगोष्ठी में डॉ इला गुप्ता, अध्यक्ष, महिला विंग, चैंबर ऑफ कॉमर्स, श्रीमती नम्रता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष, चेंबर ऑफ कॉमर्स , मनीषा सिंह जी, स्वदेशी मेला की सह संयोजिका उपस्थित रहे। दिग्विजय भाकरे जी के धन्यवाद ज्ञापन पश्चात कार्यक्रम की समाप्ति हुई एवं स्वल्पाहार वितरित किया गया। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंस्टिट्यूट इंडस्ट्रीज एवं समानित व्यापारी तथा महिला चेम्बर से अध्यक्ष

डॉ इला गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती नम्रता अग्रवाल और स्वदेशी जागरण मंच से दिग्विजय भाकरे, सुमन मुथा, मावजी भाई पटेल, शंकर त्रिपाठी, चिराग यादव, स्वतंत्र कुमार शर्मा, सुनीता जैन, पूर्णिमा शुक्ला दुर्गा कॉलेज प्रिंसिपल इत्यादि उपस्थित रहे।

मेला परिषद में दोपहर में रंग भरो प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता, शिशु वेशभूषा प्रतियोगिता, संपन्न हुई रंग भरो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या 90 थी। रंग भरो प्रतियोगिता दो वर्गों में वर्ग अ नर्सरी से कक्षा 1 तक एवं वर्ग– ब– कक्षा 2 से 4 तक। रंगभरो में वन प्रकृति, प्राकृतिक लैंडस्कैप व वन्य जीव विषय में आयोजित की गई। रंग भरो प्रतियोगिता प्रभारी – सुचित्रा बर्धन, सहप्रभारी अर्चना भाकरे, सुषमा झा, सतीश जिल्हारे, शिल्पी सोनवानी प्रधान, अद्वैत भाकरे, रितू साहू, ललिता वर्मा, भारती राठौर, हेमलता सिंह, खुशबू शर्मा। रंगभरो के विजेता – अनुषा ठाकुर, यषस्वी कसार, आदया अन्वेषा, पार्थ साहा, चैतन्य श्री सिंह, सृष्टि ठाकुर रहें। चित्रकला प्रतियोगिता दो वर्गों में वर्ग अ– नया भारत स्वदेशी भारत एवं वर्ग– ब– वंदेमातरम्–स्वर्णिम भारत चित्रकला में बच्चों ने राष्ट्र भावना को प्रदर्षित करते हुए वन्देमातरम्/स्वर्णिम भारत/स्वदेषी भारत व नया भारत को अपने अंर्तमन के रंगो से क्षितिज करते हुए जीवंत अनुभव कराया। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता– स्वास्तिका राय, टिकेन्द्र कुमार जायसवाल, कुमकुम दीप, जीविका वर्मा, सिद्धि वर्मा, स्वर्णिका सेन गुप्ता रहें। चित्रकला प्रभारी– निधि झा, उमा शुक्ला, शकुन्तला श्रीवास, संध्या बडोले, ज्योति सिंह ठाकुर, हेमलता महाजन, सहप्रभारी – भोजराज धनगर, अरविंद यदु, धनेश्वरी बंछोर, मेरी फ्रांसिस, बिन्नी तिवारी उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता के निणार्यकगण श्रीमती निधि जैन, श्री मनहरण देवांगन, श्री अरविंद यदु थे। शिशु वेशभूषा प्रतियोगिता दो वर्गों में वर्ग अ–1 से वर्ष तक वर्ग– ब–4 से 8 वर्ष के आयु वर्ग में आयोजित हुआ। प्रतिभागीयों की संख्या 55 थी। इस प्रतियोगिता के निणार्यकगण श्रीमती इवा गिरीष पांडे, प्रगति दुबे, षीला षर्मा थे। इस प्रतियोगिता के विजेता – मौर्या जोषी , षिवषंकर, रिषान देवांगन,(भारत) अदिति षर्मा (छत्तीसगढ़ महतारी), वान्या कष्यप (राधा), अभिज्ञा षुक्ला (झांसी की रानी), आदया अन्वेषा(अखबार), स्तुति यादव (छत्तीसगढ़ी महतारी) अयांष सतपथी (सिपाही), विहान ठाकुर (पायलट)। शिशु वेशभूषा प्रतियोगिता प्रभारी– प्रभारी – रेखा शर्मा, अन्नपूर्णा शर्मा, गौरी राव, स्वाति शर्मा, आराधना झा, सहप्रभारी – सुनिता पाठक, कमल रंधावा, सुगंधा जैन, पूजा मोहिते। संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वदेषी उत्पादों के प्रति जागरूकता का प्रसार करने के उद्देष्य से फ्रस्वदेषी का दीपफ्र नामक नाटक की प्रस्तुति की गई। जिसे दर्षको के द्वारा अत्यधिक सराहा गया। इस नाटक की लेखिका और निर्देषिका सुजाता षुक्ला थी।

दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 25 | अंक : 315 रायपुर, सोमवार, 22 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 विशेष गहन पुनरीक्षण...

घनश्याम सिंह गुप्त के ... 4

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

छत्तीसगढ़ी सिनेमा हमारी लोक संस्कृति और अस्मिता का जीवंत दस्तावेज : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ी सिनेमा के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार संकल्पित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्मों का सफर कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा की विकास यात्रा, उपलब्धियों और उज्ज्वल भविष्य पर विस्तार से अपने विचार साझा किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम के गठन में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि छालीवुड की सशक्त नींव रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने निगम के प्रथम अध्यक्ष स्वर्गीय राजेश अवस्थी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उनका असामयिक निधन न केवल छत्तीसगढ़ी सिनेमा, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने निगम की वर्तमान अध्यक्ष सुश्री मोना सेन को एक अनुभवी, कर्मठ और समर्पित कलाकार बताते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में छालीवुड का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ी फिल्में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की संस्कृति, कला और पहचान को और अधिक सशक्त रूप में स्थापित करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1957 से प्रदेश में फिल्मों के निर्माण का सिलसिला प्रारंभ हुआ। उन्होंने भूलन कांदा उपन्यास पर आधारित फिल्म भूलन द मेज को प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार को पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा की जड़ें लोक संस्कृति, लोककथाओं और सामाजिक सरोकारों से गहराई से जुड़ी हैं, जो इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा हमारी लोकसंस्कृति और अस्मिता का जीवंत दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी फिल्मों के विकास को लेकर पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण किया जा रहा है, जिसके लिए 150 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश में छालीवुड का भविष्य स्वर्णिम है और फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक वर्ष प्रदेश के चहुंमुखी विकास की नई इबारत लिख रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले निर्माताओं और वरिष्ठ कलाकारों मोहन सुंदरानी, सतीश जैन, संतोष जैन, मनोज वर्मा, अनुज शर्मा और प्रेम चंद्राकर को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन ने मुख्यमंत्री श्री साय का अभिनंदन करते हुए निगम के पुनर्गठन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म मोर छइंहा भुइंया के निर्माता सतीश जैन को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस फिल्म ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री के समग्र और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायकगण सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य सहित बड़ी संख्या में कलाकार, निर्माता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

असम में पीएम मोदी ने किया फर्टिलाइजर प्लांट का शिलान्यास, कांग्रेस पर जमकर बरसे

एजेंसी, असम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नामरूप में नए यूरिया प्लांट का भूमि पूजन किया। उन्होंने इसे असम के औद्योगिक विकास और युवाओं के रोजगार के लिए बड़ा कदम बताया। पीएम ने कहा कि उनकी सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सीधे खातों में पैसे भेज रही है। उन्होंने कांग्रेस पर अवैध घुसपैठियों को बसाने और विकास रोकने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नामरूप में 'असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी' के नए यूरिया प्लांट का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने असम के विकास और किसानों के हितों को लेकर कई बड़ी बातें कहीं।

पीएम ने कहा कि नामरूप और डिब्रूगढ़ के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। इस प्लांट से न केवल खाद का उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के अवसर भी खुलेंगे।

मोदी ने बताया कि बीज से लेकर बाजार तक सरकार किसानों के साथ है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये सीधे खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन और इस प्लांट का निर्माण दिखाता है कि असम अब विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है।

विपक्ष पर हमला

पीएम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने खाद फैक्ट्रियां बंद होने दीं और किसानों पर लाठियां चलवाईं। उन्होंने कांग्रेस पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठियों को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया।

मोदी ने गारंटी दी कि बीजेपी असम की जमीन, जंगल और सम्मान की रक्षा के लिए फौलाद की तरह खड़ी है और किसी भी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मैं संगठन के शीर्ष नेतृत्व, समर्पित पदाधिकारियों, कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं छत्तीसगढ़ की देवतुल्य जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

आप सभी के विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन से संगठन को मजबूत करने, जनसेवा को विस्तार देने और भाजपा की विचारधारा को जन–जन तक पहुँचाने का अवसर मिला। यह यात्रा सामूहिक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण की रही है।

आगे भी संगठन की शक्ति और जनता के विश्वास के साथ प्रदेश के विकास, सुशासन और सेवा के संकल्प को और मजबूती से आगे बढ़ाते रहेंगे।

मंत्री राजवाड़े दिव्यांग युवक-युवती परिचय सम्मेलन में हुई शामिल

विकलांग नहीं, दिव्यांगजन कहकर करें संबोधन : लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा का अभिन्न अंग हैं और उनके प्रति संवेदनशील सोच व सम्मानजनक भाषा का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। वे अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद (छत्तीसगढ़ प्रांत) के तत्वावधान में आशीर्वाद भवन, बैरन बाजार, रायपुर में आयोजित 16वें राज्य स्तरीय विवाह योग्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन केवल परिचय का मंच नहीं, बल्कि दिव्यांग युवकङ्मयुवतियों को गरिमापूर्ण वैवाहिक जीवन की ओर अग्रसर करने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने जानकारी दी कि सम्मेलन में सहमति बनने वाले जोड़ों का सामूहिक विवाह 28 फरवरी 2026 एवं 01 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें सामान्य युवकङ्मयुवतियाँ भी शामिल हुए, जो दिव्यांगजनों से विवाह के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे आए। यह सामाजिक समावेशन और समानता की दिशा में प्रेरक पहल है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण सामाजिक अपील करते हुए कहा कि 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांगजन' शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मान और आत्मबल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिव्यांगजन शब्द के प्रयोग का आग्रह किया है। शब्द हमारी सोच और संवेदना को दर्शाते हैं, इसलिए समाज को सम्मानजनक भाषा अपनानी चाहिए। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. विनय पाठक, चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. विनोद पाण्डेय, अग्रवाल समाज अध्यक्ष विजय अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक विरेंद्र पाण्डेय, राजेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान और सामाजिक समावेशन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखते हैं।

सिंधी काउंसिल ने सातवें दिन भी बांटे निःशुल्क कंबल

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की कड़कड़ाती ठंड में जरूरतमंद लोगों को गर्माहट प्रदान करने के उद्देश्य से सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा निरंतर निःशुल्क कंबल वितरण अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को यह अभियान सातवें दिन भी जारी रहा। कंबल वितरण पूज्य सिंधी राम पंचायत की 56 फीट ऊंची झूलेलाल मूर्ति के सामने, कैनाल लिंक रोड पर आयोजित किया गया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघानी ने बताया कि यह कंबल वितरण स्वर्गीय कांता देवी जसवानी, स्वर्गीय राजेंद्र रामनानी तथा स्वर्गीय हरिराम सिदारा की पावन स्मृति में किया जा रहा है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य ठंड से पीड़ित गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाना है। पिछले सात दिनों से लगातार चल रहे इस पुनीत कार्य से सैकड़ों जरूरतमंदों को गर्म कंबल मिल चुके हैं। वितरण कार्यक्रम में सिंधी राम पंचायत के अध्यक्ष गिरीश लहेजा, गोल्डी सिदारा, धनेश मटलानी, रितेश वाधवा, मनोहर जेठानी, श्रवण कुमार बुधवानी, प्रताप लालवानी, दुलीचंद कोटवानी, गणेश माधवानी तथा अनिल लालवानी सहित काउंसिल के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कंबल वितरित किए और जरूरतमंदों का उत्साहवर्धन किया। सिंधी काउंसिल के सदस्यों ने कहा कि समाजसेवा उनकी परंपरा का हिस्सा है और ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। ठंड के मौसम में यह पहल गरीबों के लिए संजीवनी साबित हो रही है।

जी राम जी बिल पर बोले शिवराज

चौधरी चरण सिंह से प्रेरणा लेकर दिया गया 125 दिनों का रोजगार

एजेंसी, नई दिल्ली

जी राम जी योजना पर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच रार गहराती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस ने इसके विरोध में पूरे देश में आंदोलन और धरना–प्रदर्शन के माध्यम से लोगों के बीच जाने की तैयारी कर ली है। वहीं, केंद्र सरकार भी अपने मंत्रियों और भाजपा संगठन के माध्यम से जनता को इसकी खूबियां बताने की योजना बना रही है। इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जी राम जी योजना के अंतर्गत किसानों–श्रमिकों को सौ से बढ़ाकर 125 दिनों का रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज जो एनडीए सरकार केंद्र में शासन कर रही है, उसके विचारों की नींव चौधरी चरण सिंह ने ही रखी थी। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए ही श्रमिकों की कार्य योजना को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है जिससे उनका कल्याण हो सके।

शिवराज सिंह ने कहा कि इससे किसानों–श्रमिकों का जीवन बदलेगा और इससे इससे गाँव की तस्वीर बदलने वाले काम होंगे।

आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए शासन पूरी तरह प्रतिबद्ध : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने सिविल लाइन रायपुर स्थित निज निवास में अपनी पूर्व घोषणा अनुरूप छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों से रूबरू होकर उनसे सीधा संवाद किया। अपने वादे के अनुसार वे ठीक 10 बजे अभ्यर्थियों के बीच भर्ती प्रक्रिया के प्रमुख एडीजी एसपीआर कल्लूरी, आईजी श्री बद्री नारायण मीना के साथ उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से सम्पादित की गई है। शासन अपनी भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के संबंध में अभ्यर्थियों की सभी मांगों और समस्याओं पर सभी के बीच जमीन में बैठकर हर समस्या पर बिंदुवार बात की।

उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्राप्तांक की जानकारी को लेकर मांग होते ही तुरंत पूरा करते हुए सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक सार्वजनिक कर दिए थे। सभी के परिणाम पोर्टल में भी उपलब्ध कराए गए हैं, पूर्ण रूप से खुली प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए युवाओं का चयन प्रावीण्यता सूची के अनुसार ही किया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि तथ्यों के आधार पर जहां गड़बड़ी मिली वहां तत्काल कार्रवाई की गयी है। कुछ लोगों द्वारा एक केंद्र में शारीरिक परीक्षा के संबंध में शंका व्यक्त किये जाने पर उन्होंने स्वयं विभाग से सभी दस्तावेज मंगाकर एक एक कर प्रकरणों की जांच की। जिसमें किसी भी अभ्यर्थी के चयन में कोई समस्या प्राप्त नहीं हुई, जिसकी जानकारी उप मुख्यमंत्री द्वारा सभी को सार्वजनिक रूप से दी गयी। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि शासन द्वारा युवाओं की भलाई के लिए जल्द से जल्द प्रतीक्षा सूची को क्लियर करने का कार्य किया जाएगा और प्रथम वेटिंग लिस्ट की संख्या को बढ़ाने के लिए भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का मार्गदर्शन लिया जाएगा। उन्होंने पीएचक्यूआईडी के कारण कुछ अभ्यर्थियों का मोबाइल नम्बर अलग हो जाने से आयी समस्या पर भी विचार करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों के द्वारा भर्ती में आयु सीमा में छूट की मांग पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से चर्चा कर हर सम्भव निराकरण करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने बस्तर संभाग में स्थानीय युवाओं का चयन किए जाने की मांग पर बताया कि आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में न्यायालय के निर्णय अनुसार क्षेत्रीय आरक्षण संभव नहीं था पर जल्द ही बस्तर फाइटर की भर्ती द्वारा स्थानीय युवाओं को अवसर प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सभी भर्ती केंद्रों के अधिकारी अपने केंद्र में भर्ती की पूरी विस्तृत जानकारी के साथ उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने सभी से उनकी समस्याओं को सुना और किसी भी समस्या पर तुरन्त निराकरण किया गया। जहां कोई शंका दिखी पूरे दस्तावेजों को देख कर निदान किया गया। यह ऐतिहासिक पल है जब एक भर्ती प्रक्रिया के संबंध में समस्या का निवारण कई स्तरों पर किया जा रहा है, जहां पहले स्तर सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों द्वारा 12 से 14 दिसम्बर तक अपने कार्यालयों में शिकायतों का निदान किया गया, उसके बाद भी भर्ती से संबंधित किसी समस्या को सीधे अपनी बात रखने के लिए खुला मंच उपलब्ध कराते हुए विभाग के एडीजी श्री एसआरपी एसपी कल्लूरी ने पुलिस मुख्यालय रायपुर में 19 एवं 20 दिसंबर को मुलाकात कर निराकरण किया गया।

सम्पादकीय

नाम बदलने की नीति व नीयत के सवाल

किसी योजना में बदलाव का मतलब यही नहीं होना चाहिए कि उससे राजनीतिक स्वार्थ की गंध आये। देश-विदेश में गांधी की मूर्तियों के सम्मुख सर झुकाने से नहीं, गांधी के दिखाये मार्ग पर चलने से बदलाव आयेगा। गांधी का नाम हटाने की मानसिकता गांधी को नकारने का ही संकेत देती है। बचपन में दोस्तों के बीच बहस के दौरान हम अक्सर एक वाक्य बोला करते थे 'अगर मेरी बात ग़लत सिद्ध हो तो मेरा नाम बदल देना'। हम नाम की दुहाई क्यों देते थे, पता नहीं, पर इतना अवश्य पता है कि हमारी मित्र-मंडली में नाम बदलने वाली इस बात का महत्व बहुत माना जाता था। नाम बदलने वाली यह बात आज अचानक 'मनरेगा' के नाम बदलने की सरकार की घोषणा के संदर्भ में याद आ रही है। याद यह भी आ रहा है कि अंग्रेजी के महान साहित्यकार शेक्सपियर ने कभी कहा था, नाम में क्या रखा है, गुलाब को कोई भी नाम दे दें, उसकी गंध तो नाम बदलने से नहीं बदलेगी'। शेक्सपियर की यह बात नाम के संदर्भ में अक्सर दुहराई जाती है। लेकिन यदि मामला 'मनरेगा' जैसी विकास योजना का हो तो बात सिर्फ नाम बदलने तक सीमित नहीं रह जाती, बात नाम बदलने की नीति से आगे बढ़कर नीयत तक पहुंच जाती है।

वर्ष 2005 में केन्द्र में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने 'मनरेगा' नाम से एक योजना प्रारंभ की थी। 'मनरेगा' का पूरा नाम है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम। यह योजना नागरिकों को काम के अधिकार को दृष्टि में रख कर लागू की गयी थी, जिसमें किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को साल में कम से कम सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराने की सरकार की गारंटी थी। जब यह योजना लागू हुई तो इस पर भ्रष्टाचार के बहुत आरोप लगे थे। फिर जब केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो प्रधानमंत्री ने इसे 'कांग्रेस की विफलताओं का जीता-जागता स्मारक' कहा था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं इसे बंद नहीं करूंगा। मेरी राजनीतिक सोच यह बताती है कि इसे कांग्रेस की विफलता के स्मारक के रूप में गाजे-बाजे के साथ बनाये रखना चाहिए'। सो, अपने ग्यारह साल के शासन में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे बनाये रखा।

अराजक मोड़ पर बांग्लादेश

महेन्द्र तिवारी

बांग्लादेश आज जिस उथल-पुथल से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। शेख़ हसीना के सत्ता से हटने के बाद पैदा हुआ राजनीतिक शून्य अब एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है, जहाँ सत्ता, सड़कों और विचारधाराओं के बीच का टकराव हिंसक रूप ले चुका है। छात्र नेता और उभरते जनाक्रोश आंदोलन के प्रतीक चेहरे शरीफ़ उस्मानहादी की हत्या ने इस अस्थिरता को विस्फोटक दिशा दे दी है। यह घटना अपने-आप में जितनी दुखद और भयावह है, उससे कहीं अधिक गंभीर इसके राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ हैं।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार मूलतः एक संक्रमणकालीन व्यवस्था है, जिसके पास न तो जनादेश की नैतिक ताकत है और न ही प्रशासनिक मशीनरी पर वैसी पकड़, जो गहरे राजनीतिक संकट को संभाल सके। निष्पक्ष चुनाव, संस्थागत सुधार और कानून-व्यवस्था बहाल करने के वादों के बावजूद सरकार पर लगातार यह आरोप लग रहे हैं कि वह न तो समयबद्ध निर्णय ले पा रही है और न ही विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के बीच विश्वास कायम कर पा रही है। फरवरी 2026 के लिए घोषित आम चुनाव अभी दूर हैं, और उससे पहले ही अवामी लीग द्वारा पूरी चुनाव प्रक्रिया को 'पक्षपाती ' और 'फासिस्ट 'बताकर खारिज कर देना इस आशंका को बल देता है कि आने वाले महीनों में टकराव और तेज़ होगा। ऐसे माहौल में शरीफ़ उस्मानहादी की हत्या एक ट्रिगर की तरह सामने आई। हादी केवल एक छात्र नेता नहीं था; वह 2024 के छात्र-आंदोलन और तथा कथित 'जुलाई क्रांति 'का प्रतीक बन चुका था। उसकी हत्या को अलग-अलग राजनीतिक खेमे अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं—कोई इसे पुराने सत्तातंत्र की साज़िश बता रहा है, तो कोई इसे उभरते जनतांत्रिक नेतृत्व को कुचलने की कोशिश कह रहा है। जांच में कुछ संदिग्धों के भारत की ओर भागने की आशंका ने इस पूरे घटनाक्रम को अंतरराष्ट्रीय रंग दे दिया और गुस्से का रुख़ भारत की तरफ मोड़ दिया गया। भारत-विरोधी नारे, भारतीय उच्चायोग और वीज़ा केंद्रों के बाहर हिंसक प्रदर्शन, और 'भारतीय मिशन बंद करो 'जैसी मांगें यह दिखाती हैं कि आंतरिक असंतोष को बाहरी दुश्मन की ओर मोड़ना कितना आसान और राजनीतिक रूप से उपयोगी होता है। बांग्लादेश की युवा राजनीति में पहले से मौजूद यह धारणा कि भारत शेख़ हसीना का संरक्षक रहा है, इस आग में घी का काम कर रही है। अंतरिम सरकार की प्रशासनिक कमजोरी और स्पष्ट संवाद की कमी ने अफ़वाहों और उग्र नैरेटिव को खुला मैदान दे दिया है। यहाँ सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बांग्लादेश के इतिहास में राजनीतिक हिंसा अक्सर बहुत जल्दी साम्प्रदायिक रूप ले लेती है। 2021 और 2024 के बाद के अनुभव बताते हैं कि जब राज्य की पकड़ ढीली होती है, तो भीड़ का गुस्सा सबसे पहले अल्पसंख्यकों पर टूटता है। मौजूदा हालात में भी यह खतरा वास्तविक है। हालिया घटनाओं में हिन्दू समुदाय के खिलाफ़ हिंसा की खबरें और मयमनसिंह जैसे इलाकों में भीड़ द्वारा हत्या की घटनाएँ इस आशंका को पुष्ट करती हैं कि राजनीतिक अराजकता फिर से धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए असुरक्षा का माहौल बना सकती है।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस समय स्पष्ट रूप से तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। एक ओर ढाका भारत पर हमलावरों को शरण देने जैसे आरोपों के जरिए घरेलू दबाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर दिल्ली ने अपने राजनयिक मिशनों की सुरक्षा को लेकर कड़ी चिंता जताई है और कूटनीतिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया है। वीज़ा सेवाओं में कटौती और सीमित आवाजाही जैसे कदम

दोनों देशों के आम नागरिकों पर भी असर डाल रहे हैं। यह स्थिति न तो भारत के हित में है और न ही बांग्लादेश के, लेकिन राजनीति में तात्कालिक लाभ अक्सर दीर्घकालिक नुकसान को अनदेखा कर देता है। इस पूरे संकट में अंतरिम सरकार की भूमिका निर्णायक होनी चाहिए थी, लेकिन वह अब तक प्रतिक्रियात्मक ही दिखी है। राष्ट्रीय शोक, आधा झुका ध्वज और कुछ गिरफ्तारियाँ प्रतीकात्मक कदम हैं; वे सड़कों पर फैले अविश्वास और गुस्से को शांत करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जरूरत एक पारदर्शी, विश्वसनीय और तेज़ जांच की है, जो किसी भी राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर सच्चाई सामने ला सके। साथ ही, सभी प्रमुख राजनीतिक शक्तियों के बीच संवाद का रास्ता खोलना भी अनिवार्य है, वरना चुनाव तक यह अस्थिरता और हिंसा बांग्लादेश को एक ऐसे दलदल में धकेल सकती है, जहाँ से निकलना मुश्किल होगा। दक्षिण एशिया के संदर्भ में देखें तो बांग्लादेश की अस्थिरता केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी। सीमा सुरक्षा, व्यापार, शरणार्थी संकट और क्षेत्रीय कट्टरता ये सभी मुद्दे इससे प्रभावित होंगे। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह संयम और कूटनीतिक संतुलन बनाए रखते हुए अपने नागरिकों, मिशनों और सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, बिना इस नैरेटिव को और मजबूत किए कि वह बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में दखल दे रहा है।

अंततः, शरीफ उस्मानहादी की हत्या एक व्यक्ति की मौत से कहीं अधिक का संकेत है। यह बांग्लादेश के सत्ता-संक्रमण की विफलताओं, राजनीतिक ध्रुवीकरण, उग्र राष्ट्रवादी-इस्लामी विमर्श और अल्पसंख्यक असुरक्षा के संकट का प्रतीक बन चुकी है। अगर इस क्षण को केवल बदले और आरोप-प्रत्यारोप के जरिए जिया गया, तो नुकसान अपूरणीय होगा। बांग्लादेश के लिए यह आत्ममंथन का समय है कि वह लोकतांत्रिक संक्रमण को हिंसा के रास्ते से गुजारेगा या संवाद, न्याय और संवैधानिक मर्यादा के सहारे। यही फैसला आने वाले वर्षों में न केवल उसके भविष्य, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता तय करेगा।

घनश्याम सिंह गुप्त के जन्मदिवस पर विशेष आलेख

विधान पुरुष घनश्याम सिंह गुप्त को भूल गई सरकार

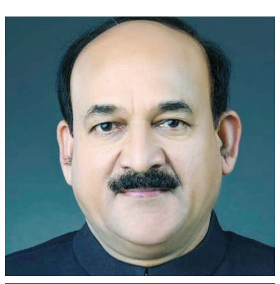

विजय मिश्रा 'अमित'
पूर्व महाप्रबंधक (जन)
अग्रोहा कालोनी रायपुर (छग)

छत्तीसगढ़ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का भी गढ़ है। इस माटी के वीर सपूतों ने देश की आजादी की लड़ाई में फिरंगियों के छक्के छुड़ा दिए थे। ऐसे बहादुर सपूतों में शामिल घनश्याम सिंह गुप्त का जन्म 22 दिसम्बर 1885 को दुर्ग में हुआ था।बालपन से ही उनकी रगों में देशभक्ति का खून दौड़ रहा था। जिसे ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उन्होंने जमकर प्रदर्शित किया था। आजादी के बाद निर्मित देश के संविधान को हिंदी में अनुवादित करने में आपकी ऐतिहासिक भूमिका रही है। वर्ष 1939 से 1950 तक संविधान सभा में आप संविधान हिंदी ड्राफ्ट कमेटी के अध्यक्ष रहे। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बूते संविधान को हिंदी में अनुवादित करके आपने उसकी प्रति 24 जनवरी 1950 में डॉ राजेन्द्र प्रसाद के समक्ष प्रस्तुत की थी।

संविधान का सहज हिन्दीकरण : भारत के मध्य प्रांत में 1937 के चुनाव उपरांत जब कांग्रेस की सरकार बनी। तब घनश्याम गुप्त विधानसभा अध्यक्ष बनाए गए।वे मध्य प्रदेश के पहले विधानसभा अध्यक्ष बने।इस पद पर रहते हुए उन्होंने हिंदी भाषा का पुरजोर समर्थन किया था। संविधान को आमजन पढ़ और समझ सके इसे हेतु हिंदी में उसकी उपलब्धता का बड़ा श्रेय इन्हें ही है। अपनी जीवन यात्रा में समाजिक कुरीतियों की समाप्ति सहित स्त्री शिक्षा, सामाजिक चेतना लाने और धर्मांतरण को रोकने के लिए जी जान से आप सतत प्रयासरत रहे।आर्य समाज की गतिविधियों में आपका जबरदस्त जुड़ाव रहा। हैदराबाद के निजाम द्वारा हिंदु पर्वों को मनाने के लिए पूर्व अनुमति लेने की बाध्यता के विरुद्ध श्री सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन भी हुआ। जिसके दबाव में निजाम को झुकना पड़ा और हिंदू पर्व हेतु बनाए गए नियम कानून में बदलाव किया गया।

खादी उद्योग को प्रोत्साहन : अंग्रेजों की खिलाफत करते हुए गुप्त जी ने अंग्रेज़ों के नमक कानून को भी भंग किया था। जिसके लिए उनकी गिरफ्तारी हुई। जिसके व्यापक असर से छत्तीसगढ़ क्षेत्र में सविनय अवज्ञा आंदोलन का विस्तार हुआ। छुआछूत और जाति भेद को मिटाने के लिए गांधी विचारों का सम्मान करते हुए दुर्ग जिला में हरिजन सेवा संघ की स्थापना 1934 में हुई। जिसके अध्यक्ष श्री घनश्याम गुप्त चुने गए। देसी उद्योग धंधे सहित खादी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए श्री गुप्त द्वारा किए गए प्रयास भी उल्लेखनीय है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला में जन्मे श्री गुप्त की प्रारंभिक शिक्षा दुर्ग और रायपुर में हुई। आगे आपने जबलपुर के प्रसिद्ध महाविद्यालय रॉबर्टसन कॉलेज से सन 1906 बीएससी गोल्ड मेडल के साथ तथा वर्ष 1908 में आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1915 में आपको मध्य प्रांत एवं बरार के प्रांतीय परिषद का सदस्य चुना गया। राजनीति को जनसेवा के लिए अपनाते हुए वर्ष 1926 में दुर्ग नगर निगम के आप अध्यक्ष निर्वाचित हुए।आगे 1930 में दिल्ली के सेंट्रल असेंबली सदस्य के पद पर आप निर्वाचित हुए।

छत्तीसगढ़ सरकार की उदासीनता : श्री गुप्त जी को मध्य प्रांत का विधान पुरुष कहा जाता है। देश और समाज सेवा में सतत संलग्न रहते हुए श्री गुप्त जी 13 जून 1976 को स्वर्गवासी हुए। विश्व के सबसे बड़े संविधान को हिंदी में प्रस्तुत करने वाले इस छत्तीसगढ़िया सपूत ने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया को तभी सिद्ध कर दिखाया था। ऐसे संवैधानिक ज्ञान के धनी का स्मरण जिस गर्व से किया जाना चाहिए उसका सर्वथा अभाव आज भी छत्तीसगढ़ में दिखता है। केवल जनता ही नहीं वरन अधिकांस जनप्रतिनिधि भी इस महान विधिवेत्ता स्वतंत्रता सेनानी के अनमोल अवदानों से अनभिज्ञ हैं।जबकि प्रति वर्ष इस विधान पुरुष की जयंती को प्रदेशस्तर पर धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद तो ऐसी पहल की ही जा सकती है। छत्तीसगढ़ महतारी के सपूत को सादर नमन।

गुप्त जी के निवास में गांधी जी

छत्तीसगढ़ के गांधीवादी नेताओं में आर्यसमाजी श्री गुप्त का नाम अग्रिम पंक्ति में है। वे गांधी जी के नेतृत्व में चलाए गए विभिन्न आंदोलनों में सक्रियता से आप संलग्न रहे। ब्रिटिश हुकूमत ने इसके लिए उन्हें कड़ी यातनाएं और कारावास की सजा भी दी। महात्मा गांधी ने रालेट एक्ट,जालियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में असहयोग आंदोलन प्रस्तावित किया था। तब देशभर के लोगों ने इस आंदोलन में सक्रिय भागीदारी दी। छत्तीसगढ़िया सपूत श्री गुप्त भी इस मामले में पीछे नहीं रहे। उनके इस कदम को कानून विरोधी करारते हुए ब्रिटिश हुकूमत ने 1921 में उन्हें कारावास की सजा दी। नशा निषेध आंदोलन,विदेशी कपड़ों का बहिष्कार ,जंगल सत्याग्रह, बंग बंग आंदोलन में वे गांधीजी की रीति नीति के अनुरूप निडरता पूर्वक जुड़े रहे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी नवंबर 1933 में जब छत्तीसगढ़ क्षेत्र में पहुंचे तो वे दुर्ग में गुप्त जी के निवास पर ही रुके थे।

उच्च शिक्षा में सुधार की सार्थक पहल, बेहतर कार्यान्वयन की दिशा में संगठित प्रयास करने का समय

प्रो. रसाल सिंह।

पिछले दिनों केंद्र सरकार ने भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समाप्ति) विधेयक, 2018 में आंशिक परिवर्तन करते हुए उसके कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया। 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' नाम से पारित नया विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को विचारार्थ प्रेषित किया गया है। यह समूचे उच्च शिक्षा क्षेत्र का एकमात्र नियामक तंत्र होगा। हालांकि, चिकित्सा शिक्षा, फार्मेसी और विधि की शिक्षा इसके दायरे में नहीं होगी। अभी उच्च शिक्षा क्षेत्र में अनेक नियामक संस्थाएं कार्यरत हैं। उनके अपने-अपने मानदंड हैं। यूजीसी, एआइसीटीई, एनसीटीई, वास्तु परिषद, कृषि विज्ञान अनुसंधान परिषद, दूरस्थ और मुक्त शिक्षा, आनलाइन और डिजिटल शिक्षा तंत्र, आइसीएसएसआर, आइसीएआर, नैक, एनआइआरएफ जैसी एक दर्जन से अधिक नियामक संस्थाएं देश के कला, विज्ञान, व्यवसाय, अभियांत्रिकी, शिक्षा, प्रबंधन, कृषि शिक्षा आदि अनुशासनों से संबंधित उच्च शिक्षण संस्थाओं एवं शोध-संस्थानों की संबद्धता, मूल्यांकन, प्रत्यायन, रैंकिंग, वित्तपोषण और नियंत्रण आदि काम करती हैं। इन अलग-अलग नियामक संस्थाओं के अधीन उच्च शिक्षा पृथक्करण और बहुपरतीय नियंत्रण का शिकार थी। देश भर में ऐसे अनेक उच्च शिक्षण एवं शोध-संस्थान हैं, जहां एक साथ कई प्रकार के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं और उनसे संबंधित शोध-कार्य किया जाता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सभी संस्थानों को क्रमशः बहु-अनुशासनिक बनाने पर जोर दिया गया है। विभिन्न पेशेवर और परंपरागत संस्थानों की आपसी दूरी और अलगाव के 'स्टील फ्रेम' की क्रमिक समाप्ति की जा रही है। नया आयोग भारत में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ बनाने के लिए उत्तरदायी होगा। इन बहु-अनुशासनिक

उच्च शिक्षण संस्थानों एवं शोध-संस्थानों को अलग-अलग नियामक संस्थाओं का दरवाजा खटखटाना पड़ता था। इस प्रक्रिया में ये संस्थान अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करते रहे हैं। कई बार इन नियामक संस्थाओं में अनियमितता एवं पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का दोषारोपण भी होता रहा है। पाठ्यक्रमों के निर्माण एवं उनके कार्यान्वयन में भी ये नियामक संस्थाएं दोषमुक्त नहीं रही हैं। ये स्वायत्त नियामक संस्थाएं आपसी टकराव और अंतर्विरोध का भी शिकार रही हैं। इससे संबंधित संस्थानों को अनावश्यक अड़चन और अवरोध का सामना करना पड़ता है। इसीलिए केंद्र सरकार ने इन सभी नियामक संस्थाओं की कार्यशैली का मूल्यांकन करते हुए इन्हें एक सर्वसक्षम निकाय के अधीन लाने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था में विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान सीधे शिक्षा मंत्रालय की निगरानी में काम करेगा। यह यूजीसी एक्ट-1956, एआइसीटीई एक्ट-1987 और एनसीटीई एक्ट-1993 का स्थान लेगा। ऐसे एकल और केंद्रीकृत निकाय की संस्तुति राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (2009) और यशपाल समिति (2010) ने भी की थी। यह आयोग विभिन्न संस्थाओं के आपसी सामंजस्य, समन्वय और सक्रियता के अभाव और लालफीताशाही के प्रभाव की समाप्ति और जवाबदेही और पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

सहकारिता से आत्मनिर्भरता की ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा

धनंजय राठौर
(संयुक्त संचालक)

अशोक कुमार चंद्रवंशी
(सहायक जनसंपर्क अधिकारी)

साल 2025 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य 'सहकारिताएँ एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं' है, और यह वर्ष गरीबी उन्मूलन, समावेशी विकास और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। भारत सरकार ने सहकारिता आंदोलन को गांव-गांव तक पहुँचाने के लिए वर्ष 2021 में स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश के हर ग्राम पंचायत तक सहकारी समितियों का विस्तार किया जा रहा है, ताकि किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों को सहकारिता से लाभ मिल सके। सहकारिता के माध्यम से एक बेहतर और समृद्ध ग्रामीणों का निर्माण करना है।

छत्तीसगढ में 6063 सहकारी समितियाँ कार्यरत

छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 11,650 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें 2,058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियाँ (पैक्स), 1,949 दुग्ध, 1,002 मत्स्य और 1,054 लघु वनोपज सहकारी समितियाँ कार्यरत हैं।

सहकारिता के माध्यम से रोजगार और सशक्तिकरण

राज्य गठन के समय केवल 1,333 सहकारी समितियाँ सक्रिय थीं, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 2573 हो गई है। किसानों को ऋण, बीज, खाद, कीटनाशक और विपणन की सुविधा सुगमता से उपलब्ध हो रही है। राज्य में 515 नई प्राथमिक कृषि साख समितियाँ भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों के कुल सदस्य अब 30.26 लाख हैं, जिनमें से 19.38 लाख किसान क्रेडिट कार्ड धारक हैं।

कृषि ऋण और वित्तीय सुदृढ़ता

राज्य में 6 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक हैं, जिनकी 345 शाखाएँ संचालित हो रही हैं। इनमें से 262 शाखाएँ कम्प्यूटरीकृत हैं। राज्य के 2058 पैक्स समितियों में प्रधानमंत्री किसान सेवा केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। ये केंद्र किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक, कृषि उपकरण और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं।

किसानों के लिए 5 लाख रुपए तक ब्याज मुक्त आसान कृषि ऋण की सुविधा

राज्य सरकार और नाबार्ड के सहयोग से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को 5 लाख रुपए तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जा रहा है। पशुपालन, मत्स्य पालन और लघु उद्योगों के लिए भी 1% से 3% ब्याज दर पर ऋण सुविधा दी जा रही है। वर्ष 2025-26 में अब तक 15.56 लाख किसानों को 6,936 करोड़ रुपए का कृषि ऋण वितरित किया जा चुका है।

760 नई समितियाँ गठित

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश पर अब तक छत्तीसगढ़ में 310 मत्स्य, 297 दुग्ध और 153 लघु वनोपज समितियाँ नई गठित की जा चुकी हैं।

डिजिटलीकरण और पारदर्शिता

राज्य में सहकारी समितियों के डिजिटलीकरण का कार्य वर्ष 2022-23 से आरंभ हुआ। अब तक 2,028 समितियाँ ई-पैक्स मोड में परिवर्तित की जा चुकी हैं। डिजिटलीकरण से किसानों के खाते, ऋण विवरण और ब्याज गणना पारदर्शी और रियल टाइम हो गए हैं।

धान खरीद और किसानों को लाभ

वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार द्वारा 25 लाख किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कुल 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। इसके लिए 34,349 करोड़ रुपए की राशि किसानों के बैंक खातों में सीधे जमा की गई। इसके अलावा, मुख्यमंत्री किसान उन्नति योजना के तहत 11,928.59 करोड़ रुपए की राशि किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की गई। कुल 46276 करोड़ रुपए किसानों के खाते में अंतरित किया गया। धान खरीदी (खरीफ विपणन) वर्ष 2025-26 के तहत दिनांक 12 दिसंबर 2025 तक 6.94 लाख किसानों से 35.43 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी समितियों के माध्यम से किया जा चुका है, जिसकी लगभग राशि 7201 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को खरीदी के 48 घंटे के अंदर भुगतान किया गया है। इस वर्ष एग्रीस्टेग से पंजीकृत किसान से धान खरीदी की जा रही है। एग्रीस्टेग पोर्टल के पंजीकृत किसानों को संख्या 26.86 लाख है। एग्रीस्टेग पोर्टल के माध्यम से किसान आईडी के जरिए भूमि, फसल, बैंक, बीमा और योजनाओं से जुड़ी सभी जानकारी एक जगह होती है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचे, बिचौलियों को हटाया जा सके और डेटा-आधारित नीतियां बनाई जा सकें।

सही वोटर लिस्ट बनाना ही सबसे बड़े देश भक्त की पहचान हैं- अनुज

विशेष गहन पुनरीक्षण(SIR) के विधानसभा स्तरीय बैठक में शामिल हुए विधायक अनुज शर्मा

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

धरसींवा विधानसभा के ग्राम सारागांव में (SIR) के विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित किया गया था जिसमें मुख्य प्रभारी के रूप में सुरेंद्र पाटनी व विधायक अनुज शर्मा शामिल हुए। इस बैठक में सभी बूथ अध्यक्ष, शक्तिकेंद्र प्रभारी,बूथ के कार्यकर्ताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के महत्व को बताया गया

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज हम लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव की तैयारी के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़े हैं। भारत का संविधान हमें मतदान का जो अधिकार देता है, वह केवल एक उंगली पर लगी स्याही नहीं है, बल्कि देश के भविष्य को चुनने की सबसे बड़ी शक्ति है। इसी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए

पूरे प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हैं की एक जीवंत लोकतंत्र के लिए यह अनिवार्य है कि हमारी मतदाता सूची (Electoral Roll) पूरी तरह से शुद्ध और अपडेटेड हो। इस अभियान के दौरान हमारा ध्यान मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर रहना चाहिए कि नए मतदाताओं का पंजीकरण करवाना मुख्य रूप से जिन युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, उन्हें मतदाता सूची से जोड़ना। नामों में सुधार करवाना, यदि किसी के नाम, पते या विवरण में कोई त्रुटि है, तो उसे ठीक करना।मतदाता सूची का शुद्धिकरण, जो लोग अब हमारे बीच नहीं रहे या स्थान परिवर्तन कर चुके हैं, उनके नाम सूची से हटाना ताकि कोई भी फर्जी मतदान न हो सके।

मेरे युवा साथियों से विशेष अपील हैं की आप इस देश की नई ऊर्जा हैं। यदि आप 18 वर्ष के हो चुके हैं और आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में नहीं है, तो आप अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से पीछे छूट रहे हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि Form-6 भरें और गर्व के साथ मतदाता बनें। याद रखिए, आपका वोट, आपकी आवाज है। हमारे सभी बूथ के क्रु भी घर-घर जाकर इस कार्य में क्र्ह की सहायता करेंगे। एक जागरूक मतदाता ही एक सशक्त प्रदेश और राष्ट्र का निर्माण करता है। आइए, इस विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाएं और लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करें।

इस बैठक में प्रभारी सुरेंद्र पाटनी, विधायक अनुज शर्मा, जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, संतोष शुक्ला, बी आर शुक्ला, नवीन अग्रवाल, टिकेश्व मनहरे, के के वर्मा सहित बूथ के अध्यक्ष, शक्तिकेंद्र प्रभारी,बूथ एजेंट सहित पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे7

व्यावहारिक ज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक समझ प्रदान करना था

शैक्षणिक टूर से विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक अनुभव

खैरागढ़/रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

राजधानी रायपुर स्थित महंत कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक टूर शनिवार 20 दिसम्बर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय तथा प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण छिन्दारी डेम का भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई से बाहर निकलकर व्यावहारिक ज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक समझ प्रदान करना था।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक महत्व को करीब से जाना। विद्यार्थियों को बताया गया कि किस तरह यह विश्वविद्यालय कला, संगीत और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थियों ने परिसर, शैक्षणिक गतिविधियों और कला से जुड़े विभिन्न विभागों की जानकारी प्राप्त की, जो पत्रकारिता के अध्ययन में विषयगत समझ को और व्यापक बनाती है।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने छिन्दारी डेम का भ्रमण किया, जहां उन्हें प्राकृतिक संसाधनों, जल प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन के विषय में जानकारी दी गई। डेम के आसपास के प्राकृतिक दृश्य विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे, साथ ही यहां उन्होंने पर्यटन और विकास से जुड़े पत्रकारिता के पहलुओं को भी समझा।

इस शैक्षणिक टूर में महंत कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष आरपी दुबे, प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गायक दिलीप षड़ंगी सहित उनके साथ विभाग के बीएएमसी और पीजीडीजे के छात्र-छात्राओं में मुस्कान ठाकुर, यज्ञ कुमार ठाकुर, ट्विंकल शर्मा, मोहन चौहान, अभिनव शाह, प्रांजल सरकार, सबीर सरकार, शिल्पी विश्वास, जयदेव रेड्डी, संगम दुबे, ईश्वर नवरंगे, सुशील जगत, संतोष द्विवेदी, प्रदीप रावत, श्रीराम साहू, तेजेश्वरी साहू, हृदय साहू, प्रेमा देवांगन, लोकेश्वरी सिन्हा, हिमांशु संघनी, राजेश साहू, भूपेश धीरही, गगन तिवारी, शिवा, दीपांशु तिवारी, लक्ष्मी रजक एवं भूतपूर्व छात्र एवं पत्रकार तरुण चक्रवर्ती, जयदास मानिकपुरी मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव, फील्ड रिपोर्टिंग और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक टूर को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में ऐसे और शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने की मांग की।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आईसीएआर-एनआईबीएसएम में हरित अभियान, 50 अशोक पौधों का रोपण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सुदृढ़ करते हुए स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ङ्क राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च ङ्क नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट, आईसीएआरङ्कएनआईबीएसएम), रायपुर, छत्तीसगढ़ में हरित अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान परिसर के खुले एवं अनुपयोगी क्षेत्रों में लगभग 50 अशोक (सराका असोका) के पौधे लगाए गए, जिससे हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरणीय सततता को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक एवं स्वच्छता पखवाड़ा के नोडल अधिकारी डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), संयुक्त निदेशक (शिक्षा) सहित संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी

तथा सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. पी. के. राय ने कहा कि वनीकरण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा वनों की कटाई से उत्पन्न दुष्प्रभावों को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि हरित एवं सतत परिसर न केवल पर्यावरणीय गुणवत्ता में सुधार करता है, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता संरक्षण और मानव कल्याण में भी सहायक होता है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक पूरक गतिविधि के रूप में एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को त्यागने को लेकर जागरूकता भी फैलाई गई। प्रतिभागियों को पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने, जिम्मेदार प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्लास्टिक खपत न्यूनतम करने के प्रति संवेदनशील किया गया। यह हरित अभियान आईसीएआरङ्कएनआईबीएसएम की उपलब्ध हरित भूमि में वृक्षारोपण, क्षतिग्रस्त क्षेत्रों के पुनर्स्थापन तथा पर्यावरण-अनुकूल कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप एक स्वच्छ, हरित और सतत परिसर के निर्माण की दिशा में संस्थान के सतत प्रयासों को और सुदृढ़ करती है।

प्रतिदिन सैकड़ो आमजनों को बढ़ती शीतलहर से मिल रही लगातार त्वरित राहत

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर नगर निगम द्वारा राजधानी शहर में जयस्तम्भ चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, रेल्वे स्टेशन के पास,रामनगर, कोटा, शंकर नगर, अवंति विहार कॉलोनी, टाटीबंध चौक, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सरोना, चंगोराभाठा बाजार, चन्दनीडीह, महोबा बाजार, हीरापुर चौक, बड़ा अशोक नगर सहित लगभग 30 से भी अधिक प्रमुख विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से सुरक्षा देने अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यबस्था, प्रतिदिन सैकड़ो आमजनों को बढ़ती शीतलहर से मिल रही लगातार त्वरित राहत रायपुर - प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर पालिक निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से जयस्तम्भ चौक के समीप, रेल्वे स्टेशन के पास, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, महोबा बाजार हॉट बाजार, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर, बड़ा अशोक नगर, रोटरी नगर, टाटीबंध चौक के समीप, शंकर नगर, अवन्ति विहार कॉलोनी

सहित राजधानी शहर में लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. नगर निगम रायपुर द्वारा विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिदिन नियमित अलाव जलाने की व्यवस्था देने से इससे शहर के निवासी प्रतिदिन सैकड़ों आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से सहज बचाव सहित त्वरित राहत मिल रही है.

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा श्री हनुमान मन्दिर के समीप और महोबा बाजार हॉट बाजार, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, रायपुर जिलाधीश परिसर के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर के पास, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबाँधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव, भाठागांव चौक के समीप, कुकरीपारा, दूधाधारी मठ मार्ग, सरोना, चंदनीडीह, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, हीरापुर चौक सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के समीप , कबीर चौक रामनगर, गीतांजलि नगर शंकर नगर, जगन्नाथ चौक रामनगर, कोटा, प्रियदर्शिनी नगर, भाठागांव, नगर पालिक निगम जोन 9 कार्यालय परिसर के समीप मोवा, नगर निगम जोन 10 कार्यालय और अन्य लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से रायपुर शहर क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित राहत देने सार्वजनिक अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. शीतलहर की सम्पूर्ण अवधि के दौरान आमजनों को राहत देने जोन कार्यालयों के माध्यम से प्रतिदिन नियमित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है.

---

4 ने बकायादार यूनियन लब पर सीलिंग की कार्यवाही की

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

तत्काल 3 लाख रूपये का धनादेश देने पर राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार सिंह बागल की उपस्थिति में खोली गयी सीलिंगबकायादार यूनियन क्लब अध्यक्ष ने नगर निगम जोन 4 राजस्व टीम से कहा यूनियन क्लब में किसी तरह की व्यवसायिक गतिविधि नहीं होती0 राजस्व वसूली अभियान के अंतर्गत नगर निगम रायपुर के ज़ोन क्रमांक 4, मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड क्रमांक 45 के अंतर्गत भवन स्वामी यूनियन क्लब का बकाया वर्ष 2017-18 से 2025- 26 तक बकाया राशि 1486739 ? है ।रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम,ज़ोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव और उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू के निर्देश पर नगर निगम जोन 4 सहायक राजस्व अधिकारी अमरनाथ साहू की उपस्थिति में नगर निगम जोन 4 राजस्व टीम द्वारा सीलिंग की कार्यवाही की गई।

रायपुर नगर पालिक निगम राजस्व विभाग के अध्यक्ष अवतार सिंह बागल की विशेष उपस्थिति में तत्काल 3,00,000/ रुपए का धनादेश दिए जाने पर सीलिंग खोली गई।

सम्बंधित बकायादार यूनियन क्लब के अध्यक्ष गुरूचरण सिंह होरा का कहना है कि यूनियन क्लब में किसी तरह की व्यावसायिक गतिविधि नहीं होती है, अत: नियमानुसार टैक्स का रोपण करें, जिसका वे इसी चालू माह पूरा भुगतान कर देंगे।

बकाया राशि भुगतान करने के लिखित आश्वासन पर सीलिंग कार्यवाही रोकी गयी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम जोन 4 राजस्व विभाग द्वारा बकायादार नेताजी होटल कटोरा तालाब पर सीलिंग कार्यवाही की, तत्काल 2 लाख बकाया राशि का धनादेश देने और 10 जनवरी तक पूर्ण बकाया राशि भुगतान करने के लिखित आश्वासन पर सीलिंग कार्यवाही रोकी गयी रायपुर - आज नगर निगम के बकाया राजस्व वसूली अभियान के अंतर्गत नगर निगम ज़ोन क्रमांक 4 अंतर्गत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 अंतर्गत कटोरा तालाब में बकायादार नेताजी होटल का बकाया वर्ष 2019- 20 से 2025- 26 तक 7,65,000 ? का बकाया होने पर और बकाया राशि अदा नहीं किये जाने पर रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और,ज़ोन 4 ज़ोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव और उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम जोन 4 की राजस्व विभाग टीम द्वारा जोन 4 सहायक राजस्व अधिकारी श्री अमरनाथ साहू की उपस्थिति में बकाया नहीं देने पर स्थल पर सीलिंग की कार्यवाही की गई। सीलिंग कार्यवाही करते ही तत्काल 2,00,000/ रुपए बकाया राशि का धनादेश बकायादार द्वारा दिए जाने और दिनांक 10 जनवरी 2026 तक लिखित पूर्ण बकाया भुगतान किए जाने का लिखित आश्वासन दिए जाने पर स्थल पर सीलिंग की कार्यवाही रोकी गई.

मेगा हेल्थ कैंप

आज राज्यपाल की मौजदूगी में होगा भव्य समापन समारोह

सैकड़ों कार्यकर्ता बने स्वयंसेवक, चौथे दिन मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, ने किया कैंप का निरीक्षण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

राजधानी रायपुर के आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में 18 से 22 दिसंबर तक चल रहे मेगा हेल्थ कैंप2025 में प्रतिदिन हज़ारों मरीज नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। रविवार को शिविर का चौथा दिन रहा, जिसमें स्वास्थ्य, कल्याण और मानवता के उत्कृष्ट पहलुओं का नजारा देखने को मिला। रविवार को शिविर के आयुर्वेद विभाग में 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बार-बार होने वाले संक्रमण से बचाव तथा शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक है।

इस अवसर पर राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े भी शिविर में उपस्थित हुई और बच्चों को स्वर्ण प्राशन करवाया। आयुर्वेद

महाविद्यालय चिकित्सालय में 0 से 16 वर्ष के कुल 1200 बच्चों को यह औषधि दी गई। विशेषज्ञों के अनुसार यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, श्वसन व अन्य रोगों से रक्षा करने, एकाग्रता और स्मरण शक्ति सुधारने में सहायक है। मंत्री ने कहा कि फ़पहला सुख निरोगी कायाफ़ की भावना को चरितार्थ करते हुए बचपन से ही स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रयास करना आवश्यक है। मंत्री राजवाड़े ने आयोजकों एवं रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत के साथ सभी विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष दीपक म्हसके भी मौजूद रहे और विभिन्न स्टॉलों में जाकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बच्चों और महिलाओं सहित सभी नागरिकों को गंभीर बीमारियों से बचाने और स्वस्थ रखने के लिए यह शिविर बेहद महत्वपूर्ण है। राजेश मूणत ने कहा कि यह मेगा हेल्थ कैंप सेवा और जनकल्याण का प्रयास है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी नागरिक इलाज या संसाधनों के अभाव में वंचित न रहे। गंभीर बीमारियों की समय रहते जांच और आधुनिक इलाज मुफ्त में उपलब्ध कराना ही इस आयोजन की आत्मा है।

दीपक म्हसके ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा, विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में इतने बड़े पैमाने पर आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और नि:शुल्क दवाइयों के साथ यह मेगा हेल्थ कैंप आयोजित करना अनुकरणीय है। यह आयोजन जनसेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

संत शिरोमणि गुरु घासीदास जयंती में शामिल हुए विक्रांत सिंह

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत टेकापार कला में संत शिरोमणि गुरुघासीदास जी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि एवं युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत संत शिरोमणि गुरुघासीदास जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों ने संत गुरुघासीदास जी के विचारों एवं उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने सत्य, अहिंसा, समानता और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संत गुरुघासीदास जी ने समाज को मनखे-मनखे एक समान का संदेश देकर सामाजिक समरसता की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि संत के बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में भाईचारा, समानता और शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने युवाओं से संत गुरुघासीदास जी के विचारों को आत्मसात करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें भजन एवं गीत के माध्यम से संत गुरुघासीदास जी के जीवन दर्शन को दर्शाया गया। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया।

आयोजक समिति द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का सम्मान किया गया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नरेश कुर्रे, संतोष वर्मा, अशोक वर्मा, हेमलाल वर्मा, भागी वर्मा, दुर्गा वर्मा, रामकुमार वर्मा, रामचंद वर्मा, चंद्रेश वर्मा, दिनु नेताम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

छठवीं की छात्रा की मौत: प्रदेश कांग्रेस की जांच में लापरवाही का आरोप

परिजनों का फूटा दर्द, अधीक्षिका पर कार्रवाई की मांग

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड के तहत संचालित पोटाकेबिन आवापल्ली में अध्ययनरत कक्षा छठवीं की छात्रा मनीषा सेमला की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस हृदयविदारक घटना की जांच के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित जांच दल ने घटनास्थल और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरे मामले की पड़ताल की।

जांच दल के संयोजक एवं पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम के नेतृत्व में दल ने सर्वप्रथम पोटाकेबिन आवापल्ली पहुंचकर मनीषा की सहपाठी छात्राओं एवं संस्था के शिक्षकों से घटना के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इसके पश्चात दल मृतक छात्रा के गृहग्राम गुंडम पहुंचा, जहां परिजनों से बातचीत कर उनकी पीड़ा और आरोपों को सुना।

परिजनों ने जांच दल को बताया कि मनीषा की मौत पोटाकेबिन की अधिक्षिका कमला ककेम की गंभीर लापरवाही का परिणाम है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते मनीषा का समुचित इलाज कराया जाता, तो शायद आज उनकी बेटी जीवित होती। परिजनों का कहना है कि उन्होंने बार-बार स्वास्थ्य बिगड़ने की जानकारी दी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

जांच दल ने छात्राओं, शिक्षकों और परिजनों से प्राप्त तथ्यों के आधार पर प्रारंभिक निष्कर्ष में माना कि मनीषा सेमला की मौत लापरवाही का मामला है। दल ने जिला प्रशासन से मांग की कि इस प्रकरण में दोषी अधीक्षिका के विरुद्ध तत्काल और कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मृतक छात्रा के परिजनों ने भी जांच दल के माध्यम से जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि दोषियों को दंडित किया जाए, ताकि अन्य बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ न हो।

इस अवसर पर जांच दल में संयोजक कमलेश कारम के अलावा सोनू पोटाम, मनोज अवलम, सरस्वती वासम, अनिता तेलम, राजेश वासम, बोधि ताती, लक्ष्मलु पाबा, मुन्ना कुरसम, शंकर खटबीना, विनोद तालुकदार, गणपत वासम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोण्डागांव को करोड़ों के विकास कार्यों की मंजूरी, विधायक का जताया आभार

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोण्डागांव विधायक एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी के सतत प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार आगे बढ़ रही है। पूर्व में भी उनके प्रयासों से सड़कों, पुल-पुलिया, भवन एवं सांस्कृतिक भवनों सहित अनेक विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। इसी क्रम में एक बार फिर कोण्डागांव विधानसभा को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

इन विकास कार्यों की स्वीकृति से क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुविधा सुदृढ़ होगी तथा आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। विकास कार्यों की मंजूरी के बाद समस्त ग्रामवासियों में हर्ष और उत्साह का माहौल है।

क्षेत्रवासियों ने विधायक लता उसेंडी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कोण्डागांव विधानसभा निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

वर्तमान में विधायक लता उसेंडी के प्रयासों से कुल 1597.63 लाख रुपये (लगभग 15 करोड़ 97 लाख रुपये) की लागत से विभिन्न सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है। स्वीकृत विकास कार्यों में प्रमुख रूप से-कोपाबेड़ा नारियल विकास बोर्ड से ग्राम भीरागांव तक 2 किलोमीटर सड़क निर्माण, लागत 2 करोड़ 31 लाख रुपये, ग्राम डोंगर सीलाटी से ग्राम कांवरा तक 3.50 किलोमीटर सड़क रुपये, ग्राम कोण्डागांव से ग्राम खरगांव तक 3.425 किलोमीटर सड़क निर्माण, लागत 3 करोड़ 10 लाख रुपये है।

दंतेवाड़ा में एसडीओपी पर हमला: चाकू टिका बंधक बनाने और 25 लाख मांगने का आरोप, दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

दंतेवाड़ा जिले में टीवीएस शोरूम के सामने शुक्रवार दोपहर एसडीओपी पर हमला किया, जिसमें वे घायल हो गए। मामले में एक महिला और एक युवक को आरोपी बनाया गया है। पुलिस द्वारा दोनों को हिरासत में लिया गया है।

घायल एसडीओपी तोमेश वर्मा (39 वर्ष), निवासी दुर्ग, वर्तमान में सुकमा जिले के जगरगुंडा में एसडीओपी के पद पर पदस्थ हैं। घटना के बाद शुक्रवार को जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में इलाज किया गया, फिर रात को एसडीओपी को बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया था, जहां शनिवार की सुबह उन्हें बेहतर उपचार के लिए रायपुर भेज दिया गया।

एसडीओपी तोमेश वर्मा ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 18 दिसंबर की रात तथा 19 दिसंबर की सुबह उनके मोबाइल पर रजनीशा वर्मा नामक महिला के कॉल आए। उनके अनुसार महिला ने एक प्रकरण के संबंध में बातचीत के लिए दंतेवाड़ा में मिलने की बात कही।

एसडीओपी के बयान के अनुसार, 19 दिसंबर को वे शासकीय कार्य से दंतेवाड़ा न्यायालय पहुंचे थे। कोर्ट से लौटते समय रजनीशा वर्मा उनसे मिली और बातचीत के लिए उनके शासकीय वाहन में बैठ गई। वाहन के गीदम रोड की ओर बढ़ने के दौरान महिला ने कथित रूप से धारदार चाकू दिखाकर उन्हें बंधक बना लिया और जान से मारने की धमकी दी। एसडीओपी के अनुसार, महिला ने उनसे खर्च के नाम पर 25 लाख रुपये की मांग की और इस दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति से फोन पर संपर्क में भी रही।

एसडीओपी ने बताया कि लगभग 11 से 2 बजे के बीच वे वाहन में बंधक की स्थिति में रहे। वाहन जब बाईपास रोड होते हुए टीवीएस शोरूम के पास पहुंचा, तब एक युवक वाहन के सामने आकर खड़ा हुआ।

एसडीओपी के अनुसार युवक ने वाहन का दरवाजा खोलकर धारदार चाकू से हमला किया, जिससे उनके ठुड्डी और गर्दन के पास चोट आई। उन्होंने आत्मरक्षा में युवक को पकड़ लिया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से दोनों आरोपियों को काबू में किया गया।

पुलिस के अनुसार हमले में शामिल दूसरे आरोपी की पहचान रविशंकर साहू, निवासी रिसाली सेक्टर 128-ए, भिलाई के रूप में की गई है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 119(2), 121(1), 132, 221 एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है।

आईडीबीआई बैंक ने जिला अस्पताल को भेंट किया 5 लाख का आधुनिक मेडिकल

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

आईडीबीआई बैंक द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत जिला अस्पताल कोंडागांव को 5 लाख का मेडिकल उपकरण प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला अस्पताल को आधुनिक चिकित्सा उपकरण सौंपे गए, जिससे मरीजों को बेहतर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने आईडीबीआई बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से जिले की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। चिकित्सालय को लेप्रोस्कोपी ट्यूबल लिगेशन सेट, सिरिंज पंप, कार्डियक मॉनिटर एवं ईसीजी मशीन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराया गया है।

इस अवसर पर आईडीबीआई बैंक कोंडागांव शाखा के शाखा प्रबंधक उमेश तथा नारायणपुर तिर्की विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ उपलब्ध कराए गए मेडिकल उपकरणों से जिला अस्पताल में इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा और आमजन को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

कलेक्टर ने पुलों का लिया जायजा

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

जिला प्रशासन द्वारा चितालंका स्थित बाईपास पुल के अवशेष का शनिवार को गहन जायजा लिया गया। उक्त पुल बाढ़ की चपेट में आकर बह गया था। इस दौरान कलेक्टर देवेंद्र ध्रुव ने अधिकारियों से पुल की वर्तमान स्थिति, क्षति के कारणों तथा प्रस्तावित नवीन पुल निर्माण योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चितालंका बाईपास मार्ग पर नवीन पुल निर्माण कार्य की डीपीआर शीघ्र तैयार कर प्रशासकीय स्वीकृति हेतु प्रेषित करने के निर्देश दिए। इस वर्ष आई बाढ़ की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जलस्तर की समुचित गणना कर उसी के अनुरूप डीपीआर तैयार की जाए।

श्री ध्रुव ने इसके साथ ही गीदम - बांगाबाड़ी बाईपास मार्ग पर डंकनी नदी पर निर्माणाधीन पुल कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उक्त पुल का निर्माण कार्य जून तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक तकनीकी परीक्षण एवं औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए पुल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण अवधि के दौरान वैकल्पिक आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सुरक्षित डायवर्सन मार्ग तैयार किया जाए। जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वन भूमि संबंधित आवश्यक अनुमतियों एवं प्रक्रियाओं को नियमानुसार शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब न हो।

बालोद में धान खरीदी का जायजा

कलेक्टर ने बालूद स्थित धान खरीदी केन्द्र का जायजा लेते हुए उपस्थित कर्मचारियों से धान उपार्जन केंद्र में आवश्यक सुविधाओं के साथ-साथ अब तक हुए धान खरीदी के संबंध में जानकारी ली। किसानों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

चिकपाल-प्रतापगिरी सड़क निर्माण

इसके पश्चात श्री ध्रुव ने कटेकल्याण विकासखंड अंतर्गत चिकपाल से प्रतापगिरी तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण हेतु सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को आगामी तीन माह पूर्ण शामिल है। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु से पूर्व नव सड़क निर्माण कार्य में पर्याप्त प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री ध्रुव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कटेकल्याण का भी निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं एवं साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया ।

कोण्डागांव विधायक ने शालेय बाल क्रीड़ा स्पर्धा का किया शुभारंभ

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी ने माकड़ी विकासखण्ड के ग्राम रांधना में तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय शारीरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने खेल को शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों को खेल में अधिक से अधिक सहभागिता और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विधायक ने 30 बालिकाओं को सरस्वती सहायता योजना के तहत सायकल प्रदाय किया। इस अवसर पर यतेन्द्र सलाम, मनोहर साहू, शिक्षकगण, बीईओ माकड़ी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, जनपद पंचायत अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बैसाख कोर्राम, प्रदेश तिरंदाजी संघ उपाध्यक्ष दिपेश अरोरा, जिला पंचायत सदस्य कोण्डागांव भगवती महेश नेताम, रदमा सुदर बघेल, जनपद पंचायत सदस्य माकड़ी विद्या नेताम, हेमलता मरकाम अनिता मरकाम, गायत्री नेताम, पन्नालाल नेताम, मेषलाल पोयाम, बिरेन्द्र प्रधान, अंगद पटेल, मनोज नेताम, रामलाल नेताम, गवती चन्दरबती मरकाम, चन्दर बघेल, रामलाल मंडावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दुबेलिया तेली साहू समाज का कौड़िया में होगा

खैरागढ़ , प्रतिदिन राजधानी

दुबेलिया तेली साहू समाज का 79वां वार्षिक महासभा, युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं रंगोली प्रतियोगिता सहित अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन आगामी 3 जनवरी, शनिवार को खैरागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम कौड़िया में किया जाएगा। इस भव्य आयोजन को लेकर समाजजनों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। दुबेलिया साहू समाज के केंद्रीय अध्यक्ष शिवकुमार साहू (निवासी ग्राम सिलपट्टी) एवं केंद्रीय सचिव हरिराम साहू (निवासी खैरागढ़) ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष की महासभा का आयोजन केंद्रीय नेतृत्व एवं खैरागढ़ ब्लॉक इकाई के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम कौड़िया में किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के विकास, एकता एवं भविष्य की दिशा को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी।

महासभा के दौरान युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिससे समाज के युवाओं को आपसी परिचय एवं वैवाहिक संबंधों के लिए एक मंच मिल सकेगा। इसके साथ ही महिलाओं से सम्बंधित खेलकूद एवं युवतियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन के उद्घाटन समारोह में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

इस महासभा में खैरागढ़, छुईखदान, गंडई, डोंगरगढ़, धमधा, दुर्ग, भिलाई, बेमेतरा, रायपुर एवं नागपुर क्षेत्र से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्राम कौड़िया के सामाजिक बंधुओं, ब्लॉक इकाई एवं केंद्रीय समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। समाज के पदाधिकारियों ने सभी सामाजिक बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर महासभा एवं विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाएं और समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत करें।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने विनायक गोयल ने सिलाई मशीनों का किया वितरण

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

तोकापाल विकासखंड के ग्राम बेड़ागुड़ा स्थित जनजातीय कौशल केंद्र में जन शिक्षण केंद्र के माध्यम से संचालित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया गया।

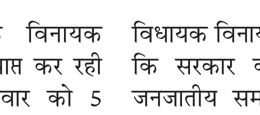

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को शुक्रवार को 5 सिलाई मशीनें वितरित की। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जो कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय की संयुक्त पहल है। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्र की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस अवसर पर विधायक विनायक गोयल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि जनजातीय समाज की महिलाएं कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से अपने पैरों पर खड़ी हों और आर्थिक रूप से सशक्त बनें।

गुरु घासीदास जयंती समारोह की धूम

पंथी नृत्य, आरती व ध्वजारोहण से आध्यात्मिक माहौल

बचेली, प्रतिदिन राजधानी

20 दिसंबर। नगर के सतनाम भवन, बचेली में 18 दिसंबर को सतगुरु घासीदास जयंती (गुरु पर्व) के अवसर पर 41वें वर्ष भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सतनामी समाज, बचेली के तत्वावधान में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन, बुजुर्ग, महिलाएं एवं युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएमडीसी परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक श्रीधर कोडारी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बचेली वन परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष मांडवा ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन टी शिवकुमार, पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल, मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक महेश नायर, एसआर डहरिया उप महाप्रबंधक सिविल, केपी बंसोड़ उप महाप्रबंधक सिविल मौजूद रहे।

समारोह का शुभारंभ सतगुरु घासीदास जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। तत्पश्चात जैतखाम पर ध्वजारोहण कर गुरु-शिष्य परंपरा को नमन किया गया। मुख्य अतिथि ने सतगुरु घासीदास जी की अमर वाणी 'मनखे-मनखे एक समान' का उल्लेख करते हुए समाज में समता, मानवता और भाईचारे को आत्मसात करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने गुरु घासीदास जी के विचारों को आज के सामाजिक जीवन में अत्यंत प्रासंगिक बताया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण रही रायपुर (चीचा) से आए 'उगता सूरज लोक नृत्य दल' द्वारा प्रस्तुत पंथी नृत्य। नृत्य के दौरान प्रस्तुत झांकियाँ, मीनार निर्माण एवं पारंपरिक भाव-भंगिमाओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा सतनाम भवन तालियों से गूंज उठा। समारोह के दौरान समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को श्रीफल, साल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित

कृषि विद्यार्थियों ने एग्रो-इंडस्ट्रियल टूर के जरिए सीखीं उद्यमिता और प्रसंस्करण की बारीकियां

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के उद्देश्य से एक विशेष एग्रो-इंडस्ट्रियल अटैचमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव रावे कार्यक्रम के तहत आयोजित इस शैक्षणिक दौरे में विद्यार्थियों ने कक्षा से बाहर निकलकर खेतों, प्रसंस्करण इकाइयों और विभिन्न कृषि संस्थानों की कार्यप्रणाली को समझा। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरएस नेताम के निर्देशों पर डॉ. नीता मिश्रा, इंजीनियर गंगाधर और डॉ. रेशमा के मार्गदर्शन में छात्रों के दल ने बस्तर जिले के प्रमुख कृषि एवं औद्योगिक केंद्रों का गहन अध्ययन किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कृषि और उससे जुड़े उद्योगों की विस्तृत श्रृंखला का अवलोकन किया।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

भारतीय टीम अब नये साल में ही मैदान में उतरेगी, रोहित, विराट भी खेलते दिखेंगे

मुम्बई। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ ही साल की अपनी अंतिम सीरीज का सफल समापन किया है। अब भारतीय टीम को आगामी टी20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड से एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे की शुरुआत 11 जनवरी से तीन मैच की एकदिवसीयसीरीज के साथ होग। इस सीरीज में एक बार फिर रोहित शर्मा और विराट जैसे दिग्गजों को प्रशंसक बल्लेबाजी करते देख सकेंगे। इन दोनो ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज खेलनी है। फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम रहेगी। इसके बाद टीम टी20 विश्वकप मे उतरेगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन भारतीय टीम को इस साल रहा है वैसा ही वह नये साल में भी करना चाहेगी। इस साल भारतीय टीम एक भी सीरीज नहीं हारी है। अब कीवी टीम के खिलाफ सिरीज में भारतीय टीम प्रबंधन का लक्ष्य विश्वकप से पहले खिलाड़ियों को आजमान रहेगा।

पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप जीता

भारत को 191 रन से हराया, वैभव 26 रन ही बना सके, समीर मिन्हास का शतक

दुबई। पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हरा दिया। दुबई के आईसीसी एकेडमी में पाकिस्तान ने समीर मिन्हास की शानदार पारी के दम पर भारत के सामने 348 रन का बड़ा लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय टीम 26.1 ओवर में 159 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ओपनर वैभव सूर्यवंशी 26 रन ही बना सके। दीपेश देवेंद्रन ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने 4 विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सय्याम, हुजैफा अहसान और अब्दुल सुभान को 2-2 विकेट मिले।

इससे पहले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 347 रन बनाए। टीम के लिए समीर मिन्हास ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 113 गेंदों पर 172 रन की दमदार पारी खेली। अहमद हुसैन ने 56 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन ने 3 विकेट लिए, जबकि खिलन पटेल और हेनिल पटेल को 2-2 विकेट मिले। कनिष्क चौहान ने एक विकेट हासिल किया।

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में दूसरी सबसे बड़ी हार : अंडर-19 एशिया कप फाइनल के इतिहास में भारत को दूसरी सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। इससे पहले 2023 के फाइनल में बांग्लादेश ने यूएई को 195 रन से हराया था, जो टूर्नामेंट की सबसे बड़ी जीत भी है। समीर मिन्हास टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 5 मैचों में 471 रन बनाए और 157.00 की शानदार औसत से स्कोर किया। इस दौरान वे 2 बार नाबाद रहे, उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 177 रन रहा। उन्होंने 2 शतक और 1 अर्धशतक भी जड़ा। भारत के लिए विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 5 मैचों में 276 रन बनाए। बेस्ट स्कोर नाबाद 209 रहा। एशिया कप 2025 में दीपेश देवेंद्रन सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 मैचों में 14 विकेट झटके। बेस्ट 5/22 का रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 5वें एशेज खिताब पर कब्जा जमाया

तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रन से हराया, ऑस्ट्रेलिया 3-0 से आगे

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड ओवल में खेले गए एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली और 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इससे पहले पर्थ और ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने 8-8 विकेट से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 286 रन पर सिमट गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 349 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 434 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम तय स्कोर से 82 रन पहले ही आउट हो गई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू परिस्थितियों में एशेज सीरीज पर अपना दबदबा कायम रखा। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और नाथन लायन ने 3-3 विकेट लिए। जबकि स्कॉट बोलैंड को 1 विकेट मिले। एलेक्स कैरी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने पहली पारी में 106 रन, दूसरी पारी में 72 रन बनाए और छह कैच भी लिए।

नाथन लायन चोटिल, बैसाखी के सहारे स्कैन के लिए गए : एडिलेड ओवल में खेले जा रहे एशेज सीरीज़ के तीसरे टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑफ-स्पिनर नाथन लायन चोटिल हो गए। 38 वर्षीय लायन, जो इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने, पांचवें दिन सुबह फील्डिंग के दौरान चोट का शिकार हुए। फाइन लेग पर एक गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाते समय लायन को चोट लगी। डाइव के बाद वह धीरे-धीरे उठे और तुरंत ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा किया। लंच ब्रेक से पहले उन्हें स्कैन के लिए बैसाखियों के सहारे एडिलेड ओवल से बाहर जाते देखा गया।

पांचवें दिन जेमी स्मिथ ने इंग्लैंड की जगाई उम्मीद

इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल छह विकेट पर 207 रन बनाकर समाप्त किया था, जिसके बाद उसकी जीत की उम्मीदें काफी धूमिल नजर आ रही थीं। हालांकि, पांचवें और आखिरी दिन जेमी स्मिथ ने 60 रन की अहम पारी खेलकर एक समय इंग्लैंड की उम्मीदें जगा दीं। जब वह आउट हुए, तब तक इंग्लैंड का स्कोर 285 रन तक पहुंच चुका था और टीम लक्ष्य के काफी करीब नजर आने लगी थी। मगर इसके बाद विल जैक्स 47 रन पर आउट हो गए और फिर जोफ्रा आर्चर भी पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड को आखिरी झटका जोश टंग के रूप में लगा ब्रायडन कार्स 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

ईशान किशन की वापसी पर गावस्कर ने खुशी जतायी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार का अच्छा प्रदर्शन हाल के दिनों मे ईशान ने किया था उससे उनकी वापसी तय थी। गावस्कर ने कहा, मैं ईशान के लिए बहुत खुश हूं. वह कुछ समय टीम से बाहर रहे पर झारखंड को ट्रॉफी दिलाकर उसने शानदार वापसी की। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी पर कहा कि फॉर्म में नहीं होने से उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, वह अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका प्रदर्शन 2024 टी20 विश्व कप के बाद से ही सराहनीय रहा ह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि वह रन नहीं बना पाये कुछ मैचों में उन्हें परेशानी हुई पर फॉर्म आती-जाती है। टी20 में शुरुआत से ही तेज खेलना होता है, अगर लय न हो तो मुश्किल हो जाती है। इसी कारण शायद उन्हें बाहर किया गया है। गावस्कर ने कहा, 'उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के लिए ज्यादा सही है। वह टी20 में तेज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं पर वह बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमने यह

आईपीएल में भी देखा है, इसलिए टी20 उनके लिए नया प्रारुप नहीं है। गावस्कर ने जितेश को बाहर किये जाने पर दुख जताते हुए कहा, जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने मौके मिले, वह अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। उनके लिए परेशान है पर युवा होने के कारण वह वापसी करेंगे।

अब विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे शमी

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय टीम के बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब बंगाल की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। शमी ने इस बार घरेलू सत्र में शानदार गेंदबाजी करते हुए 36 विकेट लेकर अपने फॉर्म को और फिटनेस को दिखाया है।

साबित करने का काम किया शमी को इसके बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक भी प्रारुप में जगह नहीं मिली थी। ऐसे में वह अपना गुस्सा विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर निकालेंगे। चैम्पयंस ट्रॉफी के बाद से ही से ही शमी राष्ट्रीय टीम से बाहर है। इसके पीछे उनके फिट नहीं होने का कारण बताया गया है। वहीं शमी ने घरेलू मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट शेष है। लाल गेंद से शमी ने सत्र में चार

रणजी मैचों में 20 विकेट लिए, जिसमें उनका औसत 18.60 रहा। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शमी का बेहतरीन फॉर्म जारी रखी और सात मैचों में उन्होंने 16 विकेट लिए। इस दौरान उनका औसत 14.93 का रहा। विजय हजारे ट्रॉफी में शमी बंगाल के गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। उनका सहयोग आकाश दीप और मुकेश कुमार करेंगे। बंगाल की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन के पास है। टीम को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है जिसमें उसे अपना पहला मैच 24 दिसंबर को राजकोट में विदर्भ के खिलाफ खेलना है। इस ग्रुप में असम, बड़ौदा, जम्मू-कश्मीर, हैदराबाद, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश की टीमें भी शामिल हैं। टूर्नामेंट अहमदाबाद (ग्रुप ए), राजकोट (ग्रुप बी), जयपुर (ग्रुप सी) और अलूर (ग्रुप डी) में खेला जाएगा, जबकि नॉकआउट मैच 12 से 18 जनवरी तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होंगे।

बंगाल टीम : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), अनुस्तुप मजूमदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुदीप कुमार घरामी, सुमंत गुप्ता, सुमित नाग (विकेटकीपर), चंद्रहास दाश, शाहबाज अहमद, करण लाल, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार, सयान घोष, रवि कुमार, आमिर गनी, विशाल भाटी, अंकित मिश्रा।

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज तीसरा टेस्टः वेस्टइंडीज 419 रन पीछे, बिना विकेट गंवाए 43 रन बनाए, न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी 306 रन पर घोषित की

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की ओर से ब्रेंडन किंग और जॉन कैंपबेल ने पारी की शुरुआत की। किंग 37 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि कैंपबेल उनके साथ क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी 2 विकेट पर 306 रन बनाकर घोषित की। टीम के लिए टॉम लाथम ने 101 और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारियां खेलीं। कप्तान केन विलियमसन 40 रन और रचिन रवींद्र 46 रन बनाकर नाबाद रहे। कॉन्वे का दूसरी पारी में भी शतक डेवोन कॉन्वे ने इस टेस्ट मैच में कुल 327 रन बनाए। पहली पारी में उन्होंने 367 गेंदों पर 227 रन बनाए, जिसमें 31 चौके शामिल थे। दूसरी पारी में कॉन्वे ने 139 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली, जिसमें 3 छक्के और 8 चौके लगाए। यह उनके टेस्ट करियर का सातवां शतक है।कॉन्वे 95 साल के टेस्ट इतिहास में न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बने, जिन्होंने एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक लगाया। दुनिया में ऐसा करने वाले वे 10वें बल्लेबाज हैं। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 575 रन बनाए थे। जवाब में

वेस्टइंडीज की टीम 420 रन पर ऑलआउट हो गई। कावेम हॉज ने 123 रन की नाबाद पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। तीसरे दिन शनिवार को वेस्टइंडीज ने बिना विकेट गंवाए 110 रन से आगे खेलते हुए 6 विकेट पर 381 रन बनाए थे। जॉन कैंपबेल 45 रन, वहीं, ब्रैंडन किंग ने 63 रन बनाए। दोनों ओपनर के आउट होने के बाद कावेम हॉज ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए टेविन इमलाच के साथ 127 गेंदों में 66 रन जोड़े। चौथे विकेट के लिए एलिक अथानाजे के साथ 98 गेंदों में 61 रन की साझेदारी की।

भारतीय बाजार में स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मोटोरोला ने अपना नया प्रीमियम मिड-रेंज स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 लॉन्च कर दिया है। यह फोन सिर्फ 5.99एमएम पतला और 159 ग्राम वजनी है, जिससे यह सेगमेंट के सबसे स्लिम स्मार्टफोन्स में शामिल हो गया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका अल्ट्रा-थिन डिजाइन है। डिजाइन के लिए इसमें एयरक्राफ्ट-ग्रेड एल्यूमिनियम फ्रेम और टेक्सचर्ड बैक पैनल दिया गया है। मोटोरोला एज 70 को भारत में 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज के सिंगल वेरिएंट में लॉन्च किया गया है, जिसकी कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। यह फोन 23 दिसंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी लॉन्च ऑफर के तहत कैशबैक भी दे रही है। फोन में 6.7 इंच का पीओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 4500 निट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। बेहतर सुरक्षा के लिए इसमें गोरिल्ला ग्लास 7आई और इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का प्राइमरी कैमरा, 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 50एमपी का फ्रंट कैमरा शामिल है, जो 4के वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 प्रोसेसर दिया गया है और यह एंड्राएड 16 आधारित हेलो यूआई पर चलता है। कंपनी तीन साल के ओएस अपडेट और चार साल के सिक्योरिटी अपडेट का वादा कर रही है। एआई फीचर्स के मामले में भी फोन काफी एडवांस है।

सेंसेक्स की 10 में 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकैप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद बीएसई की टॉप-10 कंपनियों में मिली-जुली चाल देखी गई। पिछले सप्ताह छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में कुल 75,257 करोड़ रुपए की बढ़त हुई, जबकि बाकी चार कंपनियों के एमकैप में कुल 45,842 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज हुई। इस सप्ताह सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकैप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा। इसके बाद इंफोसिस का एमकैप 16,972 करोड़ रुपए बढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में क्रमश: 15,923 करोड़ और 12,315 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। वहीं भारती एयरटेल का एमकैप 7,384 करोड़ रुपए और लार्सन एंड टूब्रो का लगभग 69 करोड़ रुपए बढ़ा। वहीं इस सप्ताह एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जिसका एमकैप 21,920 करोड़ रुपए घटा। इसके अलावा एलआईसी** का एमकैप 9,614 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का 8,428 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का 5,880 करोड़ रुपए गिरा। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज 21.18 लाख करोड़ रुपए के बाजार मूल्य के साथ पहले स्थान पर रही। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर बनी रही। विश्लेषकों के अनुसार, आईटी और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा, जबकि बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में दबाव अधिक रहा। इस मिश्रित प्रदर्शन ने बीएसई के टॉप-10 शेयरों में अलग-अलग दिशा दिखाने का रुझान उजागर किया।

टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की लगातार बढ़ रही बिक्री

नई दिल्ली। बढ़ती ईंधन कीमतों और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर ग्राहकों के झुकाव के बीच टीवीएस आईक्यूब भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री लगातार बढ़ रही है। इसे खरीदने से पहले एक अहम पहलू है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है, और वह है बैटरी बदलने का खर्च, क्योंकि यही इलेक्ट्रिक स्कूटर का सबसे महंगा हिस्सा होता है। टीवीएस आईक्यूब की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 95 हजार रुपये से शुरू होती है। यह स्कूटर आईक्यूब, आईक्यूब एस और आईक्यूब एसटी जैसे वैरिएंट्स में उपलब्ध है। जरूरत और बजट के हिसाब से ग्राहक इनमें से चुनाव कर सकते हैं। कंपनी समय-समय

पर अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को अपडेट कर रही है, जिससे इसकी पहुंच और बढ़ी है। बैटरी की बात करें तो आईक्यूब में 2.2 केडब्ल्यूएच और 3.4 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक मिलते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नई बैटरी बदलवाने पर 60 से 70 हजार रुपये तक खर्च आ सकता है, जबकि टॉप वैरिएंट आईक्यूब एसटी में यह खर्च 90 हजार रुपये तक पहुंच सकता है। कंपनी बैटरी पर वारंटी देती है, लेकिन दुर्घटना या फिजिकल डैमेज की स्थिति में यह वारंटी लागू नहीं होती। हालांकि, रनिंग कॉस्ट के मामले में यह स्कूटर काफी किफायती है। टीवीएस के मुताबिक, जहां पेट्रोल स्कूटर पर 50 हजार किलोमीटर चलाने में करीब एक लाख रुपये का ईंधन खर्च आता है, वहीं इलेक्ट्रिक आईक्यूब पर यही दूरी कुछ हजार रुपये में पूरी हो जाती है। एक बार फुल चार्ज करने का खर्च करीब 19 रुपये बताया जाता है।

मस्क की नेटवर्थ 750 बिलियन डॉलर पार

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति इलॉन मस्क की संपत्ति 750 बिलियन डॉलर (67.18 लाख करोड़) पार कर गई है। मस्क नेटवर्थ का यह आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। इससे पहले 16 दिसंबर को मस्क की संपत्ति 600 बिलियन (डॉलर 54 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंची थी। यह बढ़ोतरी डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से आई, जिसने मस्क का 56 बिलियन डॉलर का टेस्ला पे पैकेज बढ़कर 139 बिलियन डॉलर हो गया। फोर्ब्स बिलियनेयर्स इंडेक्स में मस्क की नेटवर्थ इस समय 649 बिलियन डॉलर दिख रही है। ये भारत के टॉप 40 सबसे अमीरों की कुल वेल्थ के बराबर है। इसके साथ ही मस्क की वेल्थ उनके बाद आने वाले दुनिया के सबसे रिचेस्ट टेक बिलियनेयर्स (लैरी पेज 252.6 बिलियन, लैरी एलिसन 242.7 बिलियन, जेफ बेजोस 239.4 बिलियन) की कुल संपत्ति से ज्यादा है।

मैंने टीवी पर बहुत काम किया, खुद को एक चैलेंज देने के लिए फिल्मों और ओटीटी पर आई : कृतिका

पॉपुलर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने छोटे पर्दे पर 'कितनी मोहब्बत है' और 'कुछ तो लोग कहेंगे' से खूब नाम कमाया। अनुभव सिन्हा की फिल्म 'भीड़' में विधि के उनके किरदार की खूब तारीफ हुई। इसी तरह ओटीटी पर 'तांडव' जैसी वेब सीरीज में भी उनके काम की खूब सराहना हुई। बरेली में पैदा हुई कृतिका उन कलाकारों में से है, जिन्होंने टीवी, फिल्मों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, तीनों पर अपनी धमक दिखाई है। सोशल मीडिया पर कृतिका कामरा अक्सर अपने घूमने-फिरने और खाने-पीने से जुड़े फोटोज-विडियोज शेयर करती रहती हैं। उनका कहना है कि खाना उनके मूड को अच्छा करने में अहम रोल अदा करता है। वह बताती हैं, 'खाना मेरी जिंदगी में बहुत महत्वपूर्ण है। मेरा मूड ही खाने से बदलता है। अगर मेरा बहुत ज्यादा भारी शूट शेड्यूल रहा हो, तो उसके बाद मुझे खाना चाहिए। अगर मैं खुश हूं तो मुझे कुछ ना कुछ खाने में चाहिए। अगर मेरा मूड खराब है तो कुछ खाकर वो ठीक हो जाता है। हमारे खानदान में खाने का बड़ा रोल है।'

ट्रैवल के दौरान अलग जोश होता है

खाने के साथ ही कृतिका घूमने की भी शौकीन हैं। वह कहती हैं, 'ऐसा नहीं है कि मैं कुछ खाने के लिए ही ट्रैवल प्लान करूंगी। मगर हां, अगर मैं कहीं जा रही हूं तो मेरे पास पहले से ही लिस्ट होती है कि मुझे फलाना जगह जाकर ये खाना है, वहां का रिजर्वेशन कर लूंगी। मेरे साथ यह भी होता है कि जैसे कभी किसी खास जगह के ट्रिप पर मुझे जाना होता है, लेकिन प्लान फेल हो जाता है। मैं तीन-चार बार अमेरिका जाने का प्लान बना चुकी हूं, लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से प्लान धरा का धरा रह जाता था। हालांकि फिर कुछ साल बाद मैं वहां गई और कुछ रेस्टोरेंट में जाकर मैंने वहां का स्वाद लिया। (हंसते हुए) ट्रैवल करते वक्त मेरे अंदर एक अलग जोश आ जाता है सोशल मीडिया के लिए, जो बाकी वक्त सो रहा होता है।'

एक्टर प्लेटफॉर्म को महत्व नहीं देते

टीवी से ओटीटी में आने का निर्णय लेना कृतिका कामरा के लिए कितना बड़ा कदम रहा है, इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने टीवी पर बहुत साल काम किया। मेरे जीवन में और सीखने के लिहाज से टीवी ने काफी अहम रोल अदा किया। जब मैंने छोटे पर्दे पर बहुत साल काम कर लिया था, तब मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच चुकी थी, जब मुझे लगने लगा था कि मुझे खुद को एक चैलेंज देना है, कुछ नया करना है, मुझे एक नई दिशा में देखना होगा। तब मैंने फिल्म और वेब शोज के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। लेकिन एक्टर के दिमाग में इतना अंतर नहीं होता है कि वह किस मीडियम में काम कर रहा है। मैं कभी ये नहीं देखती कि ओटीटी पर काम करूंगी तो मुझे कौन-सी ऑडियंस मिलेगी। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री के दिमाग में मीडियम महत्व रखता होगा, क्योंकि उनके लिए बिजनेस का भी सवाल होता है।'

हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है

कृतिका इन दिनों अपनी फिल्म 'द ग्रेट शमसुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चा में हैं। वह कहती हैं, 'हर भारतीय परिवार ग्रेट होता है, क्योंकि ये एक हिंदुस्तानी फैमिली है। हमारे यहां यह खास बात है कि हम परिवार को बहुत ऊंचा दर्जा देते हैं। इसकी हम बहुत इज्जत भी करते हैं। ऐसा ही कुछ मेरे किरदार बानी के साथ भी है। इस फिल्म के अंदर मेरी एक डेड लाइन है, पर मेरी फैमिली मुझे अकेला नहीं छोड़ रही है। वैसे तो मैं अकेले रहती हूं पर मेरे घर में सुबह से ही घंटी बजनी शुरू होती है। जब-जब घंटी बजती है, परिवार का कोई एक सदस्य वहां आ जाता है और अपनी प्रॉब्लम लेकर बैठ जाता है। लगभग पूरा ही परिवार मेरे घर में है और हमारे पास सॉल्व करने के लिए बहुत सारी समस्याएं हैं। तो बहुत सारी सिंगल कामकाजी लड़कियां इस रोल से खुद को जोड़ पाएंगी।'

जिस काम में जल्दी हो उसी में दिक्कतें आने लगती हैं

जब किसी काम की डेडलाइन पास में हो तो कुछ ना कुछ उथल-पुथल वाली चीजें होती रहती हैं। कृतिका के साथ भी क्या ऐसा कुछ होता है? वह कहती हैं, 'ऐसा होता ही है कि जब आपको कोई चीज तुरंत करनी होती है, तो सारी बाधाएं उस दिन आएंगी। मेरे साथ जो सबसे कॉमन चीज होती है, वो यह है कि अगर मुझे कहीं पहुंचना है और मैं निकलते हुए लेट हो जाऊं, उसके बाद एक के बाद एक सब कुछ गलत होता जाता है।

धुरंधर की लोकप्रियता देख अगस्त्य की फिल्म इक्कीस की रिलीज डेट बढ़ी

नाती की फिल्म की नई तारीख का अमिताभ बच्चन ने किया नए अंजाम में ऐलान

अगस्त्य नंदा, जयदीप अहलावत और दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र की आने वाली फिल्म इक्कीस की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। अमिताभ बच्चन ने अपने नाती अगस्त्य नंदा की फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान अनोखे अंदाज में किया है। पहले यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब 1 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। अमिताभ ने एक्स पर लिखा- इक्कीस पहले पच्चीस (25) को थी, अब होगी छब्बीस (26), पहली (1) को। फोटो में अभिनेता हाथ में इक्कीस की टी-शर्ट लिए अपने फैंस के सामने खड़े हैं और फिल्म का जमकर प्रमोशन भी कर रहे हैं।

अभिनेता ने पहले ही साफ कर दिया कि तारीख बदले या हालात, अगर शगुन अच्छा है और कदम आगे बढ़ रहे हैं। फिल्म के रिलीज डेट के बदलाव के पीछे फिल्म धुरंधर और 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को कारण बताया जा रहा है। फिल्म धुरंधर 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी और 13 दिन बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म वैश्विक स्तर पर 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म की बढ़ती रफ्तार अगस्त्य की पहली बॉक्स ऑफिस रिलीज को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' भी 25 दिसंबर को रिलीज होगी। ऐसे में मेकर्स भी नए चेहरे के साथ किसी का भी रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। 1 जनवरी को बॉक्स ऑफिस पर इक्कीस के अलावा कोई भी रिलीज नहीं होने वाली है और फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने का मौका मिलेगा। फिल्म में अगस्त्य सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का रोल कर रहे हैं, जिन्हें कम उम्र में ही भारतीय टैंकों के महारथी के रूप में जाना गया। उनके नाम दुश्मनों के 10 टैंक ध्वस्त करने का रिकॉर्ड भी कायम है। साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने अकेले ही दुश्मनों के कई टैंकों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन इसी युद्ध में 21 साल की उम्र में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

मुझे गिफ्ट में तलाक का नोटिस मिला, खुद को बचाने और अपनी आवाज उठाने भारत लौटी हूं : सेलिना जेटली

बीते दिनों जब सेलिना जेटली भारत लौटीं, तो उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाया था।' साल 2010 में उनकी शादी हुई थी और उसके बाद से ही वह ऑस्ट्रिया में रह रही थीं, अब निजी जिंदगी के बुरे अनुभव के बाद वह मुंबई लौटी हैं। उन्होंने अपने पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाया है। इसके अलावा वह 2024 से ही यूएई में कैद अपने भाई के लिए काफी परेशानियों का सामना कर रही हैं। इससे पहले कि हम सेलिना जेटली से हुई बातचीत की ओर बढ़ें, जानकारी के लिए बता दें ऑस्ट्रियाई होटल बिजनेसमैन पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज हुआ है। सेलिना ने पति पर भावनात्मक, शारीरिक, सेक्शुअल और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुआवजे के तौर पर 100 करोड़ रुपये और हर महीने 10 लाख रुपये के मेंटेनेंस की मांग भी की है। इस कपल की शादी को 15 साल हो गए हैं। सेलिना और पीटर दोनों पिछले हफ्ते अंधेरी में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश हुए थे। उन्हें 27 जनवरी तक अपना इनकम एफिडेविट जमा करने का निर्देश दिया गया है।

आप सोशल मीडिया पर अपने बच्चों विंस्टन, विराज, आर्थर के साथ मजेदार विडियो शेयर करती थीं। हालांकि अब लगता है कि कहानी उतनी अच्छी नहीं है। आपने हाल ही में माना था कि सालों से आपकी शादीशुदा जिंदगी में दरार थी। आप कितने समय से इस नाखुश शादी में जी रही हैं?

सोशल मीडिया पर जो नजर आता है वो असल जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा होता है। दुनिया को पता चलने से पहले ही मैं कई सालों से इस खराब शादी से जूझ रही थी। बाकी महिलाओं की तरह ही मैंने भी अपने बच्चों की वजह से चीजों को सामान्य बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन निजी तौर पर मैं बहुत मुश्किल चीजों का सामना कर रही थी।

क्या आपको इस बात का पछतावा होता है कि आप इतने साल तक इस बुरे रिश्ते में क्यों थीं, और क्या आपको लगता है कि आपको पहले ही भारत वापस आ जाना चाहिए था?

मुझे अपने परिवार को एक साथ रखने की किसी भी कोशिश का कोई पछतावा नहीं है। अपने माता-पिता को खोने के बाद, दूर जाने या खुद के लिए खड़े होना, जैसी चीजों के लिए भी मैं असुरक्षित महसूस करने लगी थी। मैं पहले ही अपने भावनात्मक रूप से सहारा देने वाले अपने करीबी लोगों को खो चुकी थी, और मुझे सब कुछ खोने

का डर रहता था, खासतौर पर अपनी फाइनेंशियल आजादी और अपने बच्चे। मुझे अपने बच्चों को अपना एक घर देना था, जिस कल्चर में वह पले-बढ़े थे, उसका सम्मान बरकरार रखना था। इसके साथ ही मुझे ये जिम्मेदारी भी महसूस हुई कि उन्हें अचानक से ऐसे माहौल से दूर ना किया जाए जहां वह घर जैसा फील करते थे, जिनमें उनका स्कूल, रूटीन और उनकी पूरी दुनिया बसी हुई थी। मुझे खुद को सुरक्षित करने के बारे में तभी सोच सकती थी, जब मैं खुद को इन सब चीजों से सिक्योर कर पाती।

आपने साल 2018 में अपने माता-पिता को खो दिया था। आपके बच्चों के बाद क्या आपका भाई ही सबसे करीबी रिश्ता है?

मेरे बच्चों और भाई के अलावा, मेरी 95 साल की दादी हैं, जिनको मैं बहुत प्यार करती हूं और बाकी लोगों से मेरा बहुत ज्यादा कॉन्टेक्ट नहीं रहा है। मैंने उनमें से कुछ से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बदकिस्मती से उन लोगों ने कुछ वजहों से इन हालातों से दूर रहना ही सही समझा। इस सफर ने यह दिखाया है कि जब जिंदगी मुश्किल में होती है, तो सच में कौन आपके साथ खड़ा रहता है।

आपके भाई मेजर (सेवानिवृत्त) विक्रांत कुमार जेटली, सितंबर से अबू धाबी में हिरासत में हैं। क्या उन्हें वहां से निकालने की इस लड़ाई में आप अकेली रही हैं? इस मामले में क्या कुछ चल रहा है? आपने आखिरी बार उनसे कब बात की थी?

मैं पूरी तरह से अकेली नहीं हूं, लेकिन मैं कानूनी और कूटनीतिक रास्ते को लेकर लगातार हर संभव कोशिश कर रही हूं। मामला काफी सेंसटिव है, और अभी भी चल ही रहा है और इस बारे में जानकारी को लेकर भी मुझे सतर्क रहना होगा। मेरे भाई के साथ मुझे संपर्क करने की पूरी आजादी न होना, मेरे लिए सबसे तकलीफ देने वाले पहलुओं में से एक है।

बच्चों से कुछ न छुपाएं, वे हर चीज खुलकर देख-पढ़ रहे हैं : मनोज बाजपेयी

मुंबई का किंग कौन यह डायलॉग बोलने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी अनेक बार साबित कर चुके हैं कि वह अभिनय के मामले में किंग हैं। उन्हें 4 बार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है। अब यह कद्दावर अभिनेता अपने 30 साल के सफर में फिल्मों की सेंचुरी लगा चुका है।

सोशल मीडिया से आजकल हर माता-पिता परेशान हैं। पैरेंटिंग पर आपकी राय क्या है?

आप जहां भी जाएंगे, सोशल मीडिया आपके पीछे-पीछे आएगा। यह आपको नहीं छोड़ने वाला तो इसे हैंडल करना होगा। जैसे मेरी बेटी आवा हॉस्टल में रहती है। वहां वह मॉनिटरिंग में रहती है, लेकिन जब वह घर आती है तो उसकी मां उसे फोन दे देती है। मैं यही कहूंगा कि बैन मत करिए, नजर रखिए। जितना आप उन पर रोक-टोक लगाएंगे, उतना वे आपसे छुपाते जाएंगे। पैरेंटिंग का जो सिद्धांत है, वह शबाना (पत्नी) बहुत अच्छे-से जानती हैं और समझती हैं। आवा अपनी मां से कोई बात छुपाती नहीं। आवा कोई बात बाहर किसी दूसरे से सुने और असमंजस में पड़े, इससे पहले ही उसकी मां वे तमाम बातें उसे बता चुकी होती है। बच्चों के साथ आपको खुलकर बात करनी पड़ेगी। इस समझदारी के साथ पैरेंटिंग के अलावा लगातार मॉनिटरिंग की भी जरूरत होती है। बच्चे का दिमाग जब तक विकसित नहीं होता, तब

तक उसे संभाल कर रखना माता-पिता की जिम्मेदारी है। मगर बच्चे से चीजें छुपाए नहीं। उसे चाहे सेक्स जैसे मुद्दे पर बात करनी हो या इस्राइल पर या अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप पर, हर विषय पर उससे खुल कर बात करें। उसे हर चीज के बारे में बताएं क्योंकि वे हर चीज देख-सुन और पढ़ रहे हैं। आवा किसी से कुछ भी छुपा ले, मगर मां से कुछ नहीं छुपाती।

आपकी फिल्म 'सत्या' में डायलॉग है- 'मुंबई का किंग कौन?' यह फीलिंग आपको कब आई?

सच कहूं तो आज तक नहीं आई। लोग कहते हैं कि मैं बहुत मॉडेस्ट हूं, पर मुझे कभी ऐसा लगा ही नहीं। मैं हमेशा से आध्यात्मिक रहा हूं और जानता हूं कि हर फिल्म, हर किरदार की एक एक्सपायरी डेट होती है। जो चला गया, वह चला गया, मेरे लिए सबसे जरूरी हमेशा अच्छा रोल ढूंढ़ना रहा है। यह जो कामयाबी कहलाती है, वह

क्या आप अपनी वेब सीरीज के टाइटल की तरह असल जिंदगी में भी फैमिली मैन हैं?

(हंसते हुए) यह जोर से मत कहिए! मेरी पत्नी ने सुन लिया तो आपको तुरंत बता देंगी कि यह बिलकुल गलत बात है। मैं शूटिंग पर रहता हूं तो मुझसे शिकायतों का सिलसिला चलता रहता है। पर हां, जब काम नहीं कर रहा होता तो पूरा समय घर पर बिताता हूं। तब 10-15 दिन बाद ही मेरी पत्नी और बेटी कहने लगती हैं कि अब आप शूटिंग पर कब जाओगे? घर पर रहकर बहुत तंग करते हैं। (हंसते हैं) मुझे परिवार के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है। परिवार जानता है कि मुझे काम से कितना प्रेम है। उम्र के साथ शरीर थोड़ा साथ नहीं देता, मगर शूटिंग करने में अब भी उतनी ही खुशी मिलती है। हां, शूटिंग के बाद परिवार संग रहना जरूरी है। मैं कहीं विदेश में शूटिंग करूं और परिवार साथ न हो तो मुझे यही बुरा लगता है कि वे इस नए देश को मेरे साथ अनुभव नहीं कर पा रहे। मैं ऐसा ही इंसान हूं, मगर कमियां बहुत हैं, जो मेरी पत्नी बेहतर बताएंगी।

भी एक्सपायरी डेट के साथ आती है। अच्छे दौर भी आते हैं और बुरे भी, कोई भी फेज हमेशा एक जैसा नहीं रहता। इसलिए मुझे कभी नहीं लगा कि मैं कहीं 'पहुंच' गया हूं क्योंकि मैं कहीं पहुंचने निकला ही नहीं था। मैं तो बस एक सपने के साथ चला था कि अभिनेता के रूप में जाना जाऊं और अभिनय से ही रोजी-रोटी कमाऊं। जब पहला चेक मिला था, वही मेरी असली सफलता थी। आज काम की तारीफ मिलती है तो अच्छा लगता है, कुछ काम कम सराहे जाते हैं और कुछ तो लोगों को पता ही नहीं चलते, जैसे 'गली गुलियां', जो मेरा सबसे अच्छा काम था। मेरा लक्ष्य बस इतना है कि अभिनय के चरम पर पहुंच सकूं। मुझे हर दिन शूटिंग पर जाने में मजा आता है, मैं थकता नहीं। 7 घंटे की नींद काफी है। फिल्म हिट हो या फ्लॉप, मैं सोमवार से नए काम पर लग जाता हूं। कभी गांव, कभी पहाड़ चला जाता हूं। लोग कहते हैं कि चलो सक्सेस पार्टी करते हैं, पर मुझे उससे बड़ी कोफ्त होती है क्योंकि तब तक मैं दिमाग से बहुत आगे बढ़ चुका होता हूं। सुनने में भले ही यह बात बोरिंग लगे, पर मैं ऐसा ही हूं।

30 साल के सफर को पलट कर देखते हैं तो कैसा लगता है?

मैं पीछे मुड़कर देखता ही नहीं। यह मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है। मेरा स्वभाव ही ऐसा है कि बीती बातों में नहीं उलझता क्योंकि वहां अब कुछ नया मिलने वाला नहीं होता। समय बदला, चीजें बदलीं, समाज बदला और इंडस्ट्री भी लगातार बदलती गई। अब् ढ्ढ जिस रफ्तार से आ रहा है, वह बहुत कुछ बदल रहा है और बदलेगा भी। मेरी एक आदत रही है, बदलते वक्त के साथ खुद को बदलना।

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' क्रिसमस पर होगी रिलीज

बॉलीवुड की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की इस फिल्म का ट्रेलर सामने आते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। ट्रेलर की शुरुआत कार्तिक आर्यन के प्रभावशाली वॉयसओवर से होती है, जिसमें वह जिंदगी को आज में जीने की बात करते नजर आते हैं। उनके किरदार का नाम रेहान है, जिसे प्यार से 'रे' कहा जाता है। रेहान एक बेफिक्र, मस्तीखोर और बिंदास युवक है, जो अपने कूल अंदाज और फिट लुक के साथ स्क्रीन पर पूरी तरह छा जाता है। कार्तिक का चिर-परिचित चार्म और कॉमिक टाइमिंग ट्रेलर में खास आकर्षण बनकर उभरता है। अनन्या पांडे ट्रेलर में भूमि वर्धन के किरदार में नजर आती हैं। उनकी एंट्री कहानी में ताजगी और सादगी का अहसास कराती है।

दोनों की पहली मुलाकात एयरपोर्ट पर होती है, जहां से नोक-झोंक, दोस्ती और फिर धीरे-धीरे पनपते प्यार की शुरुआत होती है। कार्तिक और अनन्या की केमिस्ट्री ट्रेलर में बेहद क्यूट और नेचुरल लगती है, जो दर्शकों को तुरंत उनसे जोड़ लेती है। ट्रेलर में हल्की-फुल्की शरारतों, मजेदार बातचीत और डांस सीक्वेंस के साथ-साथ इमोशनल पहलू भी देखने को मिलते हैं। एक सीन में कार्तिक का डायलॉग, 'जो मर्द अपनी पसंदीदा औरत के लिए कुर्बानी न दे, वो मर्द, मर्द नहीं होता,' कहानी की गहराई और रिश्तों की अहमियत को बयां करता है। इससे साफ होता है कि फिल्म सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि प्यार और रिश्तों के उतार-चढ़ाव को भी दर्शाएगी। ट्रेलर में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ की झलक भी देखने को मिलती है, जो कहानी को और मजबूती देती है। ट्रेलर का अंत भी कार्तिक के वॉयसओवर के साथ होता है, जिसमें अधूरे इश्क की कहानियों का जिक्र किया गया है। फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन्स और नमः पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार पर्यटन के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध -सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजस्थान के अंतर्राज्यीय अध्ययन भ्रमण से लौटने के उपरांत छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के दल ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर पत्रकारों ने 15 से 20 दिसम्बर तक राजस्थान भ्रमण के दौरान वहां की विधायिका, प्रशासनिक कार्यप्रणाली तथा पर्यटन के क्षेत्र में किए गए नवाचारों के अनुभवों को साझा किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पत्रकारों के लिए अंतर्राज्यीय अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है, ताकि अन्य राज्यों के शासन-प्रशासन, पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास से जुड़े नवाचारी प्रयासों को पत्रकारों के दृष्टिकोण से समझा जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे अध्ययन भ्रमणों से प्राप्त अनुभवों के आधार पर छत्तीसगढ़ में भी नई और प्रभावी पहल शुरू की जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से आग्रह किया कि वे इस यात्रा के अनुभवों को यात्रा-वृत्तांत के रूप में लिपिबद्ध करें, जिससे यह आम पर्यटकों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की लेखनी केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि पर्यटन को प्रोत्साहन देने का एक सशक्त साधन भी है।

प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पर्यटन के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से बस्तर धरती पर स्वर्ग के समान है, किंतु नक्सलवाद लंबे समय तक इसके विकास में एक बड़ी बाधा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में राज्य सरकार पूरी दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पर्यटन को राज्य की नई उद्योग नीति में शामिल किया गया है। इसके तहत सुदूर वनांचलों में होम-स्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि पर्यटक ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर उनकी संस्कृति, खान-पान और जीवनशैली को नजदीक से अनुभव कर सकें। इससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि विश्व के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों में छत्तीसगढ़ के धुड़मारास को शामिल किया जाना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों द्वारा दिए गए सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि इन पर गंभीरता से विचार कर उन्हें अमल में लाया जाएगा।

इस अवसर पर जशपुर से विजय त्रिपाठी ने बताया कि राजस्थान भ्रमण के दौरान वहां की विधानसभा देखने का अवसर मिला, जहां आमजन को विधि निर्माण की प्रक्रिया और विधानसभा की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए एक भव्य संग्रहालय का निर्माण किया गया है। इस संग्रहालय के माध्यम से राज्य निर्माण से लेकर वर्तमान तक की विधायी यात्रा और ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के योगदान को समझने का अवसर मिलता है। कोरबा से विजय खेत्रपाल ने कहा कि इस अध्ययन भ्रमण के माध्यम से यह समझने का अवसर मिला कि राजस्थान में सैकड़ों वर्ष पुराने किलों और महलों को आधुनिक जनसुविधाओं से जोड़कर किया गया है। इसके साथ ही रेगिस्तानी क्षेत्रों में जीप सफारी, ऊंट सवारी, पैरा-सेलिंग, डेजर्ट कैंप जैसी गतिविधियों के माध्यम से पर्यटन को आकर्षक रूप दिया गया है।

छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर, महासमुंद का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में महिलाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया और केंद्र के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टिक्केन्द्र जाटवर ने सखी वन स्टॉप सेंटर में अब तक प्राप्त प्रकरणों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगस्त 2017 से 20 दिसंबर 2025 तक कुल 1265 प्रकरणों पर कार्य किया गया है। वर्तमान में प्रतिमाह औसतन 15 से 20 प्रकरण प्राप्त हो रहे हैं।

सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि

बालिकाओं एवं महिलाओं को हर स्थान पर सुरक्षा का एहसास होना चाहिए। इसके लिए एक अनुकूल वातावरण और आवश्यक व्यवस्थाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सखी वन स्टॉप सेंटर में आने वाली महिलाओं को समय पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बताया कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता, पुलिस सहयोग, मनोवैज्ञानिक परामर्श, चिकित्सकीय सुविधा और अस्थायी आश्रय प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, महिलाओं की सहायता हेतु टोल फ्री नंबर 181 भी संचालित है, जिससे वे किसी भी समय मदद प्राप्त कर सकती हैं। निरीक्षण के दौरान लक्ष्मी वर्मा ने सखी शब्द का व्यापक अर्थ समझाते हुए कहा कि यह प्रत्येक जिले में महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल है, जहाँ उनकी समस्याओं का समाधान गोपनीयता के साथ किया जाता है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि प्रचार-प्रसार बढ़ाया जाना चाहिए। इससे वे महिलाएं, जो कोर्ट या थाना जाने से संकोच करती हैं, सखी केंद्र में आकर निर्भीक होकर मदद प्राप्त कर सकेंगी। लक्ष्मी वर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को लगन और समर्पण भाव से कार्य करने हेतु मार्गदर्शन दिया।

ठाकुर प्यारेलाल सिंह का जयन्ती पर महापौर मीनल चौबे ने प्रतिमा स्थल पर किया सादर नमन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्य सुमन अशोक पाण्डेय, परिवारजनों, गणमान्यजनों, आमजनों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह को जयन्ती पर सादर नमन किया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह को उनकी जयन्ती पर नगर निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जोन 5 के सहयोग से जीई मार्ग में आमापारा में छत्तीसगढ़ बुनकर सोसायटी स्थित प्रतिमा स्थल के समक्ष रखे गए पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने समस्त राजधानीवासियों की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह को उनकी जयन्ती पर सादर नमन किया.संस्कृति विभाग के तत्वावधान

में जोन 5 के सहयोग से जीई मार्ग में आमापारा में छत्तीसगढ़ बुनकर सोसायटी स्थित प्रतिमा स्थल के समक्ष रखे गए पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर

नगर निगम रायपुर के आयोजन में प्रमुख रूप से नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, पूर्व पार्षद दिलीप यदु, नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिँह के परिवारजनों और नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों ने प्रतिमा स्थल पर उन्हें उनकी जयन्ती पर सादर नमन किया.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गुरु खुशवंत साहेब ने सारंगढ़ दुर्गा मंदिर में की पूजा अर्चना

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आज सारंगढ़ स्थित दुर्गा मंदिर में माँ दुर्गा की पूजा अर्चना की और छत्तीसगढ़ राज्य की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर में प्रवेश के दौरान बच्चों और विशेषकर बालिकाओं ने मुख्यमंत्री साय और गुरु साहेब का फूल भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर के संचालक परिवार के सदस्य निर्मल सिन्हा सहित चेम्बर ऑफ कॉमर्स के समीर ठाकुर, संगीत ठाकुर और महेन्द्र अग्रवाल भी उपस्थित थे। पूजा के दौरान मुख्यमंत्री और मंत्री ने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर माँ दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा और उन्होंने राज्यवासियों के सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की।

मंदिर परिसर में आयोजित इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य न केवल श्रद्धा और भक्ति को प्रकट करना था, बल्कि समुदाय में सौहार्द और एकता को भी बढ़ावा देना बताया गया। मुख्यमंत्री और मंत्री ने उपस्थित लोगों से भी का आग्रह किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक पूजा में भाग लिया और मुख्यमंत्री एवं मंत्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम सारंगढ़ में धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के महत्व को दर्शाने वाला एक प्रमुख उदाहरण रहा।

आर्थिक सशक्तिकरण से बदलती महिलाओं की तस्वीर

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता, आत्मसम्मान तथा समाज में उनकी निर्णायक भूमिका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में उभर रही है। यह योजना महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ स्वरोजगार एवं आजीविका के नए अवसरों से जोड़ रही है। प्रतिमाह प्राप्त सहायता राशि का सदुपयोग कर महिलाएं छोटे-छोटे व्यवसाय प्रारंभ कर रही हैं, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि परिवार और समाज में उनकी सशक्त पहचान भी बन रही है।

जांजगीर-चांपा जिले के तहसील मुख्यालय चांपा के वार्ड क्रमांक 02 की निवासी श्रीमती उर्मिला यादव ने हर महीना महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली एक हजार रूपए की राशि को बचाकर आर्टिफिशियल गहनों का व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान में वे घर से तथा साप्ताहिक हाट-बाजारों में गहनों का विक्रय कर प्रतिमाह लगभग 2000 रुपये की अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने लगी है।

चांपा की ही ज्योति कसेर ने योजना की सहायता राशि से पापड़ व्यवसाय शुरू किया, जिससे उन्हें प्रतिमाह लगभग 5000 रुपये का लाभ प्राप्त हो रहा है।

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेबीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

ए.एस. एसोसिएट्स
प्रथम तल, आनंद भवन गुरुनानक चौक, रायपुर
मो. 93020-77741, 98271-62101

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस

चादरे 9x9 400 से 1000 तक | कर्म्फटर दोहड़ | कम्बल रजाई
प्रोटेक्टर तकिया | सोफा कमबेड रजाई-गद्दा कव्हर | टावेल रुई गद्दा | सोफा कव्हर

पुराना गद्दा लाये नया ले जाये

संजय रुई भंडार
निराकांरी फर्नीचर के पीछे कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में

5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में
(व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com

GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस

संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

बिना सर्वे जमीन के रेट बढ़ाना किसानों पर अन्याय, फैसला थोपना बंद करे सरकार-किसान

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बिना किसी जमीनी सर्वे, स्थानीय परिस्थितियों और वास्तविक बाजार मूल्य का आकलन किए बिना भूमि की गाइडलाइन दरों में की गई भारी बढ़ोतरी से प्रदेशभर के किसानों में गहरा असंतोष है।वही शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता लेकर किसान और वकीलों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताता की सरकार एकतरफा और जनविरोधी निर्णय बताते हुए कहा कि सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए किसानों पर आर्थिक बोझ डाल रही है।

साथ ही जमीनों की बढ़ी गाइडलाइन से लगभग 300 किसानों रायपुर कलेक्ट्रेट में अपनी आपत्ति दर्ज कर चुके है और लगातार किसान अपनी आपत्ति दर्ज करा रहे है। किसान संगठनों का आरोप है कि कई क्षेत्रों में गाइडलाइन दरों में 100 से 600 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी गई है, जबकि वहां न तो बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं और न ही जमीन की वास्तविक बाजार मांग। इसके बावजूद उन क्षेत्रों को उच्च श्रेणी में रखकर दरें बढ़ा दी गईं, जो किसानों के साथ अन्याय है।

संगठनों का कहना है कि जमीन के रेट बढ़ने से रजिस्ट्री, स्टाम्प ड्यूटी, नामांतरण, बैंक ऋण, पारिवारिक बंटवारे और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं महंगी हो गई हैं। इससे छोटे और मध्यम किसानों के

साथ-साथ मध्यम व निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए जमीन और आवास तक पहुंच लगभग असंभव हो जाएगी।

किसानों ने बताया कि अचानक हुई इस वृद्धि से जमीन की खरीदी-बिक्री लगभग ठप हो गई है। कृषि भूमि, छोटे व्यवसाय और पारंपरिक प्रॉपर्टी कारोबार प्रभावित हो रहे हैं, जिससे बेरोजगारी बढ़ने की आशंका है। कई किसान अपनी जरूरी जरूरतों-इलाज, बच्चों की पढ़ाई, शादी या गृह निर्माण-के लिए भी जमीन नहीं बेच पा रहे हैं।

किसान संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि नई गाइडलाइन में नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे, प्रधानमंत्री सड़क और गांव के पहुंच मार्ग-सभी को मुख्य मार्ग मान लिया गया है, जो तर्कसंगत नहीं है।

संगठनों का कहना है कि भूमि केवल संपत्ति नहीं, बल्कि किसानों के जीवन, रोजगार और भविष्य का आधार है। बिना व्यापक जन-परामर्श और बाजार अध्ययन के लिया गया यह फैसला जनभावनाओं के विपरीत है। इससे न्यायिक विवाद बढ़ेंगे और प्रशासनिक बोझ भी बढ़ेगा।

किसानों की प्रमुख मांगें

बढ़ाई गई गाइडलाइन दरों को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए।

सभी जिलों और क्षेत्रों में वास्तविक जमीनी सर्वे कराया जाए।

किसान संगठनों, जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों से चर्चा के बाद ही नई दरें तय हों। पुनर्विचार की प्रक्रिया पूरी होने तक पूर्ववर्ती दरों पर ही व्यवहारिक वृद्धि के साथ काम करने की अनुमति दी जाए।

किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार बिना संवाद के फैसले थोपती रही, तो यह निर्णय आम जनता और किसानों पर भारी पड़ेगा। उन्होंने सरकार से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल पुनर्विचार की मांग की है। आज इस पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप में अधिवक्ता आकाश हिंदुजा,साथ अधिवक्ता और किसान केशव वैष्णव, किसान भीषण बंजारे, जुड़ावन साहू,पवन कुमार साहू,राम कुमार साहू, थलेंद्र साहू, दिलीप साहू,अमीन खान,जीतू देवांगन,तीरथ ,नोहर हरबंश,दिलीप नवरंगें, टेकराम वर्मा,धनंजय घृतलहरे,प्यारेलाल महेश्वरी,घनश्याम वर्मा सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

कोरबा के 06 वार्डों को मिली 16 नए विकास कार्यों की सौगात

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यो की एक और महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में निगम के 06 वार्डो को आज 16 नए विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई है। उद्योग मंत्री देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर की अध्यक्षता में निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान आज 01 करोड़ 87 लाख रूपये के नए विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य जारी हैं, इसी कड़ी में आज रविवार को निगम के वार्ड क्र. 33, 34, 29, 30 एवं 10, 06 में आज 01 करोड़ 87 लाख रूपये की लागत वाले 16 नए विकास कार्यो की सौगात दी गई है। यहाँ उल्लेखनीय है कि विगत शनिवार को निगम के 08 वार्डो को 02 करोड़ 61 लाख रूपये के नए विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई थी। आज निगम क्षेत्र की सुदूर बस्ती ढेलवाडीह के साथ ही मुड़ापार, इमलीडुग्गू में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन विकास कार्यो का भूमिपूजन सम्पन्न कराया गया।

मोदी की गारंटी को अल्प समय में पूरा किया सरकार ने - इस अवसर पर दिए गए अपने उद्बोधन में कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में प्रदेश सरकार ने मोदी की गारंटी को अल्प समय में पूर्ण कर अपने संकल्प को पूरा किया है, हमारी सरकार के 02 वर्ष का कार्यकाल अभी पूर्ण हुआ है तथा इस दौरान एक ओर जहाँ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के सभी वर्ग के लोगों को लाभान्वित किया गया है, तो वहीं दूसरी ओर राज्य के सर्वांगीण विकास को गति व दिशा दी गई है। उन्होने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था और अब विगत 11 वर्षो से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ को संवारने का कार्य लगातार कर रहे हैं। उन्होने कहा कि सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, नए-नए उद्योग, धंधे प्रारंभ हो रहे

हैं, रोजगार बढ़ रहा है तथा यहाँ के नागरिकबंधुओं का जीवन स्तर ऊपर उठ रहा है। उद्योग मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि डॉ.रमन सिंह के 15 वर्षो का कार्यकाल प्रदेश का स्वर्णिम कार्यकाल रहा है तथा उन 15 वर्षो में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ और अब विष्णुदेव साय की सरकार प्रदेश का साय-साय विकास कर रही है।

करोड़ो रूपये के विकास कार्यो की लगातार मिल रही सौगात - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के द्वारा नगर निगम कोरबा के वार्डो को लगातार करोड़ों रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हो रही है, उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन के लगातार प्रयास से विगत 02 वर्षो में निगम क्षेत्र में लगभग 800 करोड़ रूपये के विकास कार्यो की स्वीकृति दी जा चुकी है, देश, प्रदेश व कोरबा नगर निगम में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है, अत: कोरबा के विकास में किसी प्रकार की कोई भी समस्या उत्पन्न नहीं होने दी जाएगी। उन्होने उपस्थित बस्तीवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क, नाली, स्ट्रीट लाईट, पेयजल व साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं से संबंधित आपकी समस्याएं दूर होंगी, हमारा कोरबा समस्यामुक्त शहर बनेगा, मैं इसके लिए आपको आश्वस्त करती हूँ।

निगम क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने हो रहा निरंतर कार्य - इस अवसर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजूपत की अगुवाई में नगर निगम कोरबा क्षेत्र के वार्डो व बस्तियों की समस्याओं को दूर करने तथा नागरिकों को सड़क, नाली, पानी, बिजली जैसी आवश्यक सुविधाएं सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है, उन्होने कहा कि अनेक वर्षो से व्याप्त समस्याएं दूर हो रही है तथा लोगों की अपेक्षाएं पूरी की जा रही हैं, मुझे उम्मीद है कि विकास की यह गति आगे भी निरंतर जारी रहेगी। इन विकास कार्यो का हुआ भूमिपूजन -आज जिन विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया, उनमें वार्ड क्र. 33 अंतर्गत मानिकपुर स्कूल में बाउण्ड्रीवाल निर्माण एवं हाईट बढ़ाने का कार्य राशि 15 लाख रूपए, वार्ड क्र. 33 अंतर्गत मानिकपुर डिपरापारा में सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य राशि 05 लाख रूपए, वार्ड क्र. 34 अंतर्गत ढेलवाडीह स्कूल में बाउण्ड्रीवाल एवं गेट का निर्माण कार्य राशि 14 लाख रूपए, वार्ड क्र. 34 अंतर्गत दादरखुर्द प्राथमिक शाला में अहाता निर्माण कार्य राशि 12.50 लाख रूपए, वार्ड क्र. 34 अंतर्गत दादरखुर्द नीचे मोहल्ला के पास स्थित तालाब का उन्नयन कार्य राशि 15 लाख रूपए, वार्ड क्र. 34 अंतर्गत ढेलवाडीह में सार्वजनिक सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य कार्य राशि 10 लाख रूपए, वार्ड क्र. 34 अंतर्गत कंकालिन मंदिर दादरखुर्द के पास एकता विहार में सी.सी. रोड एव नाली का निर्माण कार्य राशि 12 लाख रूपए शामिल हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 29 अंतर्गत मुडापार दशहरा मैदान के पास मंच का निर्माण कार्य राशि 10 लाख रूपए, वार्ड क्र. 29 अंतर्गत मुडापार स्कूल में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य राशि आर.सी.सी नाली एवं कलवर्ट का निर्माण कार्य राशि 13.59 लाख रूपए, वार्ड क्र. 29 अंतर्गत मुड़ापार के विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड कार्य राशि 15 लाख रूपए, वार्ड क्र. 30 अंतर्गत रामनगर के सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी नाली का निर्माण कार्य राशि 09 लाख रूपए, वार्ड क्र. 30 अंतर्गत जे.पी. स्कूल में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य राशि 19.20 लाख रूपए का भूमिपूजन किया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 10 अंतर्गत आदिवासी शास. प्रा. शाला भिलाई खुर्द क 02 में नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य राशि 15.26 लाख रूपए, वार्ड क्र. 10 अंतर्गत इमलीडुग्गू केबीन के पास मंच निर्माण कार्य राशि 06 लाख रूपए, वार्ड क्र. 06 रानीगेट दशहरा मैदान में स्थित सामुदायिक भवन के पास किचन शेड एवं शौचालय निर्माण कार्य राशि 04 लाख रूपए का भूमिपूजन भी आज सम्पन्न हुआ। भूमिपूजन कार्यक्रमों में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य धनकुमारी गर्ग, पार्षद सुनीता चैहान, नारायण कुर्रे, वर्षा दिनेश वैष्णव, रामगोपाल कुर्रे, रूबी सागर, राधा महंत, ईश्वर पटेल, उपेन्द्र पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, कोसाबाड़ी मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर, कोरबा मण्डल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री सरजू अजय, अनु.जा.मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश लहरे, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, सुफल दास, अनिल वस्त्रकार, सुशील गर्ग, दिनेश वैष्णव, अनिल कुमार मिश्रा, गुडिया यादव, किशन बघेल, सहोद्रा देवी, राजेन्द्र राजपूत, जगदीश श्रीवास, मनोज मिश्रा, हरवीर सिंह होरा, सुकेश दलाल, लक्ष्य चतुर्वेदी, उषा यादव, निकेश ठाकुर, रामशंकर साहू, नवीन जायसवाल आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

शिक्षकों का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

नई शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत विकासखंड रायगढ़ की प्राथमिक शालाओं में कक्षा पहली, दूसरी एवं तीसरी का अध्यापन करने वाले शिक्षकों हेतु नवीन पाठ्यपुस्तकों एवं शिक्षण योजना पर आधारित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15 से 20 दिसंबर तक सफलतापूर्वक किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश तथा जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय पटेल एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखंड के चार चयनित केंद्रों प्राथमिक शाला ननसिया, माध्यमिक शाला जुर्डा, प्राथमिक शाला कोतरा एवं माध्यमिक शाला उर्दना में सुचारु रूप से संचालित किया गया।

प्रशिक्षण का संचालन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाईट धर्मजयगढ़ से प्रशिक्षित एवं अनुभवी मास्टर ट्रेनर्स द्वारा किया गया। इनमें रोहित सिदार, पहलाद चौहान, श्रीमती शिव कुमारी कंवर, श्रीमती लता महंत, मीना मैडम सहित अन्य प्रशिक्षक शामिल रहे। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा शिक्षकों को नवीन पाठ्यपुस्तकों की अवधारणा, आधुनिक अध्यापन विधियाँ, गतिविधि आधारित शिक्षण, सीखने के परिणाम तथा सहायक एवं पूरक सामग्री के प्रभावी उपयोग पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति क्यूआर कोड आधारित प्रणाली से दर्ज की गई, जिससे पारदर्शिता एवं अनुशासन सुनिश्चित हुआ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज अग्रवाल ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रारंभिक कक्षाओं में नैतिक शिक्षा, जीवन मूल्य, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सांस्कृतिक चेतना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों में देश, समाज एवं संस्कृति की आवश्यकता है और इसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के संचालन में सीएसी उर्दना विकास पटेल, सीएसी कोतरा विनोद सिंह, सीएसी लोइंग मनोज गुप्ता सहित सभी केंद्र प्रभारियों, सहयोगी स्टाफ एवं प्रतिभागी शिक्षकों का योगदान रहा।

एसपीएल के दूसरे दिन हर मैच में अंत तक रोमांच

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

सिंधी समाज द्वारा आयोजित सिंधी प्रीमियर लीग एसपीएल टूर्नामेंट के दूसरे दिन खेल प्रेमियों को जबरदस्त रोमांच देखने को मिला।

लवन रोड स्थित टर्फ सेंटर पर खेले गए दिन के तीन मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी, सटीक गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग का प्रदर्शन कर दर्शकों को उत्साहित कर दिया। हर मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांच बनाएं रखने वाला रहा।

दूसरे दिन का चौथा मुकाबला ब्लू पैंथर और रॉयल शार्क के बीच खेला गया। इस मैच में ब्लू पैंथर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रॉयल शार्क को पराजित किया। ब्लू पैंथर की जीत में नयन गोविंदानी का अहम योगदान रहा। उन्होंने 28 रनों की उपयोगी पारी खेलने के साथ ही दो विकेट भी झटके। उनके इस ऑल राउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें लगातार दूसरे दिन मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बिग बुल्स के निखिलेश ने की शानदार गेंदबाजी

पांचवां मुकाबला बिग बुल्स और क्यूट पंडास के बीच खेला गया, जिसमें बिग बुल्स ने दमदार खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की। इस मुकाबले में बिग बुल्स के निखिलेश परसवानी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनकी घातक गेंदबाजी ने क्यूट पंडास की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी और इसी बेहतरीन प्रदर्शन के चलते उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिन के छठवें मुकाबले में सैवेज राइनोज ने संतुलित खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। टीम की ओर से सूर्या हहिमानी ने 13 रन बनाने के साथ दो विकेट लेकर निर्णायक भूमिका निभाई और उन्हें भी मैच मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला।

सुशासन सप्ताह शिविर में 191 आवेदनों का निराकरण

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

सुशासन सप्ताह -प्रशासन गांव की ओर अभियान अंतर्गत कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिले के चिन्हांकित पंचायतों एवं नगरीय निकायों में शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को आयोजित शिविर में प्राप्त 240 आवेदनों में से 191आवेदनों का शिविर स्थल में ही निराकरण किया गया। निराकरण के लिये शेष 49 आवेदनों का शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर के विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत मरदा में 22, भाटापारा अंतर्गत ग्राम पंचायत अमलीडीह में 39 आवेदन प्राप्त हुए और सभी का निराकरण किया गया। सिमगा अंतर्गत ग्राम पंचायत हथबंद में 83में से 60, पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत मुड़पार में 66 में से 60 एवं कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत बोरसी में 30 में से 10 आवेदनों का निराकरण किया गया।

शिविर में सभी विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी आमजनों को दी गई तथा आवेदन भी लिये गए। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियो को योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया।

महापौर व सभापति ने बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का किया शुभारंभ

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के अंतर्गत रविवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, इंदिरा नगर (मोदीनगर) में अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, नगर निगम के सभापति डिग्री लाल साहू द्वारा नवजात शिशुओं को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान की विधिवत शुरुआत की गई। अभियान का उद्देश्य देश एवं प्रदेश को पूर्णत: पोलियो मुक्त बनाए रखना है। अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विस्तृत सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार की गई है। इस अवसर पर महापौर चौहान ने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि शून्य से पाँच वर्ष आयु वर्ग का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। दो बूंद जिंदगी के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की दवा पिलाना समाज और राष्ट्र के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.पी. पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत रायगढ़ जिले में 21 दिसंबर से तीन दिवसीय अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शून्य से 05 वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 79 हजार 959 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिलेभर में 1307 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। प्रथम दिवस बूथ स्तर पर टीकाकरण किया जा रहा है, जबकि द्वितीय एवं तृतीय दिवस स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। अभियान की व्यापक जानकारी एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों द्वारा मुनादी कराई जा रही है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही विभिन्न स्वयंसेवी एवं समाजसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता भी अभियान को सफल बनाने में सहयोग कर रहे हैं।

भीषण ठंड के बावजूद दिखा जनसहभागिता का उत्साह

सुबह-सुबह कड़ाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में अभिभावक अपने छोटे बच्चों को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अभिभावकों में पोलियो के प्रति जागरूकता और बच्चों के स्वस्थ भविष्य को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जिससे अभियान को सफल बनाने में जनसहभागिता का सकारात्मक संदेश मिला। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद त्रिवेणी डहरे, महेश सिंह, राज्य सलाहकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रायपुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरंजना पैंकरा, नोडल अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. प्रशांत, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सोनाली मेश्राम, डॉ. सेमतिका शर्मा, उमा महंत, चोलेश्वर सिंह पटेल, हलधर यादव, सुनील पटेल सहित मितानिन दीदियाँ, स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ, स्वास्थ्यकर्मी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ग्रामीण विकास को मिली डिजिटल गति, युक्तधारा पोर्टल से जीआईएस आधारित पंचायत प्लानिंग की शुरुआत

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन की मंशा के अनुरूप रायगढ़ जिले में ग्रामीण विकास को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत विकसित युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से जिले में जीआईएस आधारित ग्राम पंचायत प्लानिंग की शुरुआत कर दी गई है। इस नवाचार से ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के निर्माण, परीक्षण और अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल एवं भू-स्थानिक तकनीक से जुड़ गई है।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि इस डिजिटल पहल से युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से की जा रही जीआईएस आधारित प्लानिंग से कार्यों की दूरदर्शी योजना संभव हो सकेगी। कार्यस्थल पहले से चिन्हित होने के कारण भूमि विवाद नहीं होंगे और योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचेगा। रायगढ़ जिले के सभी 7 विकासखंडों में तकनीकी अमले द्वारा इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक विकासखंड की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन सुनिश्चित किया जा रहा है। योजना निर्माण में भू-स्थैतिक विश्लेषित कार्य एवं गैर भू-स्थैतिक विश्लेषित कार्य के संतुलन को विशेष रूप से ध्यान में रखा जा रहा है, जिससे क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप योजनाएं तैयार हो सकें। जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे ने बताया कि युक्तधारा पोर्टल की विशेषता यह है कि इसमें भौगोलिक योजना निर्माण, क्षेत्र उपचार योजना, पंचायत से लेकर विकासखंड स्तर तक ऑनलाइन स्वीकृति प्रक्रिया तथा नरेगा सॉफ्ट के साथ पूर्ण एकीकरण किया गया है। तकनीकी सहायकों की टीम क्लस्टर आधारित स्थल चयन के पश्चात ग्राउंड ट्रुथिंग कर जियो-फेंसिंग, फोटोग्राफ, मानचित्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यों को पोर्टल पर अपलोड कर रही है। इस डिजिटल व्यवस्था से ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्ण पारदर्शिता, योजनाओं में अनियमितता पर प्रभावी रोक तथा शासकीय धन के सही उपयोग को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों की पर दिखाई देगी, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार के भूमि संबंधी विवाद की संभावना न्यूनतम हो जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए तकनीकी टीमों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों में इस नई व्यवस्था को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि युक्तधारा पोर्टल के सफल क्रियान्वयन से रायगढ़ जिला डिजिटल ग्रामीण विकास का आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा।

भारतीय छात्रों को रूस की बड़ी सौगात, बिना एंट्रेंस एग्जाम के मिलेगी स्कॉलरशिप

एजेंसी, नई दिल्ली। रूस ने भारतीय छात्रों के लिए बड़ी घोषणा की है। रूस में अब भारतीय छात्रों को बिना एंट्रेंस एग्जाम दिए सरकारी छात्रवृत्तियां दी जाएंगी। यह छात्रवृत्ति स्नातक से लेकर उच्चतर प्रशिक्षण तक के पाठ्यक्रमों को के लिए दी जाती हैं। इसका चयन शैक्षणिक रिकॉर्ड और पोर्टफोलियो के आधार पर किया जाता है।

रूसी प्रशासन के अनुसार,छात्रवृत्ति स्नातक से लेकर पीएचडी और उन्नत प्रशिक्षण तक के कोर्स कवर करती है, जिसमें मेडिसिन, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, स्पेस स्टडीज जैसे विषय शामिल हैं। कई कोर्स अंग्रेजी में उपलब्ध हैं। वहीं रूसी भाषा नहीं जानने वालों के लिए एक साल का प्रीपरेटरी भाषा कोर्स का विकल्प है। जो छात्र रूसी सीखना चाहते हैं, वे अपनी मुख्य पढ़ाई शुरू करने से पहले एक वर्षीय प्रारंभिक भाषा पाठ्यक्रम ले सकते हैं।

रूसी संघ 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने सरकारी छात्रवृत्ति कार्यक्रम में भारतीय छात्रों को आमंत्रित कर रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत के छात्रों को रूस में विभिन्न विषयों और विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता करना है।

आवेदन प्रक्रिया शुरू

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है और छात्रों को मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग, कज़ान, व्लादिवोस्तोक, कैलिनिनग्राद और अन्य क्षेत्रों सहित कई रूसी विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने का अवसर मिल सकता है।

सबसे खास बात यह है कि इस छात्रवृत्ति के लिए चयन प्रक्रिया में कोई प्रवेश परीक्षा शामिल नहीं है। उम्मीदवारों का चयन उनकी पिछली शैक्षणिक उपलब्धियों और पोर्टफोलियो के आधार पर किया जाता है। पोर्टफोलियो में शोध पत्र, अनुशंसा पत्र, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और ओलंपियाड के प्रमाण पत्र और अन्य सहायक दस्तावेज शामिल हो सकते हैं।

दो चरण में पूरी होगी प्रक्रिया

पहला चरण 15 जनवरी तक चलेगा। इसमें दस्तावेज सत्यापन और प्रारंभिक चयन प्रक्रिया शामिल है। वहीं, दूसरे चरण में रूसी विज्ञान और उच्च शिक्षा मंत्रालय, भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों के सहयोग से, छात्रों को संस्थानों में आवंटित करता है और वीजा संबंधी आवश्यक दस्तावेज जारी करता है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना की वेनेजुएला पर बड़ी कार्रवाई

समुद्र तट पर नाकाबंदी, एक और तेल टैंकर जब्त

एजेंसी, नई दिल्ली। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रंप लगातार वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी सैनिक लगातार वेनेजुएला के तट के पास कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिकी सैनिकों ने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को जब्त किया है।

दरअसल, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ट्रंप के बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को अमेरिकी सैनिकों ने एक और टैंकर वेनेजुएला के तट के पास से जब्त किया है।

गृह मंत्री ने की पुष्टि

अमेरिकी की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की पुष्टि की है। उन्होंने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिबंधित तेल की अवैध आवाजाही का पीछा करना जारी रखेगा जिसका उपयोग इस क्षेत्र में नार्को आतंकवाद को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है। यह कार्रवाई अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा पेंटागन के समर्थन से की गई थी और यह वेनेजुएला के तेल निर्यात को बाधित करने और मादुरो पर पद छोड़ने के लिए दबाव डालने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

अल जजीरा के सूत्रों से नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले तीन अधिकारियों ने ऑपरेशन के स्थान का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि तटरक्षक बल इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। दो अधिकारियों ने भी इस ऑपरेशन की पुष्टि की। एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई सहमत बोर्डिंग थी, जिसमें टैंकर स्वेच्छा से रुका और अमेरिकी सेना को उस पर चढ़ने की अनुमति दी।

अल जजीरा के अनुसार, पिछले सप्ताह अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के तट पर एक प्रतिबंधित तेल टैंकर को जब्त किए जाने के बाद से प्रभावी रूप से एक प्रतिबंध लागू है, जिसके तहत लाखों बैरल तेल ले जाने वाले भरे हुए जहाज जब्ती का जोखिम उठाने के बजाय वेनेजुएला के जलक्षेत्र में ही रुके हुए हैं।

पहली जब्ती के बाद से वेनेजुएला के कच्चे तेल के निर्यात में भारी गिरावट आई है। हालांकि, वेनेजुएला से तेल लाने वाले कई जहाज प्रतिबंधों के दायरे में हैं, वहीं ईरान और रूस से वेनेजुएला का तेल और कच्चा तेल लाने वाले अन्य जहाज प्रतिबंधों से मुक्त हैं।

लोको पायलट निर्दोष, सिस्टम से 'छेड़छाड़' बनी हादसे की वजह : रेल मंत्री वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली। ओडिशा के बालेश्वर में हुए देश के सबसे भीषण रेल हादसों में से एक को लेकर ढाई साल बाद एक बार फिर संसद में चर्चा गरमा गई है। विपक्ष द्वारा लोको पायलट की भूमिका और सुरक्षा प्रणालियों पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि इस त्रासदी के लिए ट्रेन चालक (लोको पायलट) जिम्मेदार नहीं थे।

रेल मंत्री ने दो-टूक कहा कि जांच में मानवीय चूक और रखरखाव के दौरान प्रोटोकॉल के उल्लंघन की बात सामने आई है, न कि लोको पायलट की गलती।

लोको पायलट पर नहीं, सिस्टम पर उठा सवाल

संसद के शीतकालीन सत्र (दिसंबर 2025) के दौरान रेल मंत्री ने बताया कि कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) और सीबीआई की गहन जांच के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि

कोरोमंडल एक्सप्रेस के लोको पायलट ने सिग्नल के अनुसार ही ट्रेन चलाई थी। मंत्री ने उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया जिनमें लोको पायलटों पर दोष मढ़ने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि दोषी वो हैं जिन्होंने सिग्नलिंग सिस्टम में शॉर्टकट और सुरक्षा नियमों की अनदेखी की।

हादसे की असली वजह: सिग्नलिंग सर्किट में अवैध बदलाव

जांच रिपोर्ट के अनुसार, हादसे की जड़ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में किया गया गलत बदलाव था।

गलत वायरिंग: लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 94 पर मरम्मत कार्य के दौरान तारों की गलत लेबलिंग की गई थी, जो वर्षों तक पकड़ में नहीं आई।

शॉर्टकट का सहारा: सिग्नलिंग स्टाफ ने काम जल्दी पूरा करने के लिए निर्धारित 'टेस्टिंग प्रोटोकॉल' का पालन नहीं किया, जिससे मुख्य लाइन का सिग्नल तो हरा हो गया, लेकिन ट्रैक 'लूप लाइन' की ओर मुड़ा रह गया।

साजिश या लापरवाही: इस मामले में रेलवे के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन पर आपराधिक लापरवाही का आरोप है।

सबक लेकर रेलवे ने बदली सुरक्षा रणनीति

बालेश्वर के बहानगा बाजार स्टेशन में हो चुके भयानक रेल हादसे के बाद भारतीय रेलवे ने अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव किए हैं:

कवच का विस्तार: स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम 'कवच' को मिशन मोड में लागू किया जा रहा है। जुलाई 2025 तक कई प्रमुख कॉरिडोर पर इसे चालू कर दिया गया है।

डिजिटल लॉगिंग: अब सिग्नलिंग रूम (रिले रूम) को डिजिटल रूप से सील किया जा रहा है ताकि किसी भी अनधिकृत प्रवेश या छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके।

बजट में प्राथमिकता: सुरक्षा संबंधी कार्यों (कवच, ट्रैक सर्किट) के लिए अब आर्थिक औचित्य (इकोनॉमिक जस्टिफिकेशन) की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है, ताकि फंड की कमी से काम न रुके।

Pratidinrajdhani.in
Daily Morning Newspaper & Webportal
E Paper Also Available
Web Portal : www.pratidinrajdhani.in
Youtube : Pratidin Rajdhani

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री, नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस
संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
62629 04444
ई-मेल : pratidincg@gmail.com
E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

अधिवक्ता संघ रायपुर की ग्रीष्मकालीन प्रतियोगिता की विजेता मुस्कान सिंह भदौरिया का हुआ सम्मान

जतिन नचरानी

बीजापुर (प्रतिदिन राजधानी)

अधिवक्ता संघ रायपुर द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल, बौद्धिक गतिविधियों और रचनात्मक प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिवक्ताओं के बीच आपसी सौहार्द, स्वास्थ्य जागरूकता और टीम भावना को बढ़ावा देना था।

19 दिसंबर को आयोजित सम्मान समारोह में प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को अधिवक्ता संघ की ओर से सम्मानित किया गया। समारोह में पुरस्कार वितरण के दौरान विजेताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में विशेष रूप से महिला अधिवक्ता मुस्कान सिंह भदौरिया को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और सक्रिय सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया, जिसकी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। महिला अधिवक्ताओं की बढ़ती भागीदारी को अधिवक्ता संघ ने सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम बताया।

इस अवसर पर अधिवक्ता संघ रायपुर के अध्यक्ष हितेन्द्र तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से अधिवक्ताओं के बीच आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न केवल न्यायिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय सहभागिता के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं।

संघ के सचिव अरुण कुमार मिश्र ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिवक्ताओं को कार्य के साथ–साथ मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाए रखने का अवसर मिल सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और आयोजन से जुड़े सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष किशोर ताम्रकर, रितु बुंदेल, कोषाध्यक्ष श्रीकांत मिश्र सहित अधिवक्ता संघ के कई वरिष्ठ और युवा सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल और प्रेरणादायक बताते हुए इसे नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल विद्युत बचत के साथ हरित ऊर्जा क्रांति में सहयोग करते हुए यात्रियों को सेवाएं दे रहा

रेलवे स्टेशनों, परिसरों में ऊर्जा बचत के साथ उचित प्रकाश व्यवस्था

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल रेलवे का विद्युत विभाग बहुत ही महत्वपूर्ण है, ये विभाग रेलवे के स्टेशनों कार्यालय रेलवे कॉलोनी लिए बिजली की आपूर्ति और रखरखाव का काम करता है।

जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान ट्रेनों में विद्युत संबंधी समस्या समाधान। बिजली की आपूर्ति करना, विद्युत उपकरणों का रखरखाव करना, विद्युत से संबंधित समस्याओं का समाधान करना साथ ही विद्युत की बचत संबंधित उपायों पर जोर देना। विद्युत ऊर्जा बचाव पर जन जागरूकता अभियान चलाना, स्टेशनों पर लगे एस्केलेटरों का परिचालन व्यवस्था देखना, हरित ऊर्जा के उत्पादन एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी हेतु निरंतर प्रयास करना, स्ट्रीट लाइट पोल, हाई मास्ट टावर आदि की व्यवस्था देखना। रेलवे यार्डों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करता है जनवरी–2025 से दिसंबर–2025 की अवधि के दौरान यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु रायपुर रेल मंडल के विद्युत (सामान्य)विभाग ने प्रमुख कार्य किए–

यात्रियों की सुविधा में वृद्धि हेतु रायपुर स्टेशन पर 4 नग एस्केलेटरों का संस्थापन एवं कमीशनिंग की गई, जिसमें प्लेटफार्म संख्या 1 पर 2 नग तथा प्लेटफार्म संख्या 7 पर 2 नग एस्केलेटर शामिल हैं।

हरित ऊर्जा के उत्पादन एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी हेतु 1000 किलोवाट–पीक (ड्ढङ्क्ष) रूफ–टॉप सोलर पावर प्लांट (डीज़ल लोको शेड, रायपुर ङ्क 450 केडब्ल्यूपी एवं इलेक्ट्रिक लोको शेड, भिलाई ङ्क 550 केडब्ल्यूपी) का संस्थापन एवं कमीशनिंग किया गया।

प्रणाली सुधार, पारदर्शिता एवं ऊर्जा संरक्षण के उद्देश्य से रायपुर मंडल के कर्मचारियों के आवासों तथा बाहरी विक्रेताओं हेतु 3000 प्री–पेड/पोस्ट–पेड स्मार्ट ऊर्जा मीटर उपलब्ध कराए गए।

डब्ल्यूआरएस एवं बीएमवाई में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार हेतु 21 कि.मी. लंबी एल्यूमिनियम कंडक्टर स्टील रिइनफोर्स्ड (्रष्टस्क्र) उच्च तनाव ओवरहेड लाइन को कवरड कंडक्टर से प्रतिस्थापित किया गया, जिससे विशेषकर मानसून के दौरान वृक्ष शाखाओं के अतिक्रमण से होने वाले बार–बार के पावर ट्रिपिंग से बचाव हुआ।

कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण केंद्र भिलाई में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु 63 केवीए डीजी सेट का संस्थापन एवं कमीशनिंग किया गया।

सुरक्षा में वृद्धि हेतु कोचिंग डिपो, दुर्ग में आधारित सभी कोचों के विद्युत पैनलों में एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली प्रदान की गई।

विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से स्टेशन, परिसंचरण क्षेत्र एवं सार्वजनिक स्थल के स्ट्रीट लाइट पोल, हाई मास्ट टावर आदि के लिए 95 नग नई अर्थिंग की व्यवस्था की गई।

भानुप्रतापपुर, हथबंद, उरकुरा, मंदिर हसौद, सिलयारी, बीएमवाई, भिलाई, भिलाई पावर हाउस, भिलाई नगर, बालोद, दल्लीराजहरा, स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया एवं रेलवे यार्डों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु 12 नग 20 मीटर ऊँचे हाई मास्ट टावर तथा 12 नग सोलर टावरों की व्यवस्था की गई।

एनआईटी रायपुर में वार्षिक पूर्व छात्र मिलन 2025 आयोजित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी –NIT) रायपुर में 21 दिसंबर 2025 को एलुमनी एसोसिएशन, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (GEC–NIT) रायपुर द्वारा वार्षिक पूर्व छात्र मिलन समारोह–2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्थान के गोल्डन टॉवर में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के निदेशक प्रो. (डॉ.) एन. वी. रमना राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में 1965, 1975, 1985 एवं 2000 बैच के पूर्व छात्र, एलुमनी एसोसिएशन के पदाधिकारी, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी शामिल हुए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में एलुमनी एसोसिएशन के सहयोग से निर्मित दो स्मार्ट कक्षा कक्षों एवं एक आधुनिक कॉन्फ्रेंस कक्ष का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ औपचारिक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

एलुमनी एसोसिएशन जीईसी–एनआईटी रायपुर के अध्यक्ष उमेश चितलांगिया ने कहा कि पूर्व छात्र मिलन समारोह संस्थान और एलुमनी के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच है। उन्होंने स्मार्ट कक्षाओं, छात्र सहायता, बीमा कवरेज एवं डिजिटल परिवर्तन जैसी एलुमनी–समर्थित पहलों की जानकारी दी।

संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. सुरेश हावरे ने अपने वीडियो संदेश में बताया कि एलुमनी के सहयोग से 20 स्मार्ट कक्षाओं का विकास किया जा चुका है तथा 20 और कक्षाओं को स्मार्ट बनाने की योजना है। उन्होंने पूर्व छात्रों से संस्थान के विकास में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों ने संस्थान के प्रति अपने अनुभव साझा करते हुए मेंटरिंग, तकनीकी उन्नयन एवं संस्थागत विकास में सहयोग पर बल दिया।

अपने संबोधन में निदेशक प्रो. (डॉ.) एन. वी. रमना राव ने एलुमनी योगदान की सराहना करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर की समग्र छात्र विकास एवं भविष्यङ्कउन्मुख दृष्टि को रेखांकित किया। उन्होंने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्श्वष्टरु) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (Corporate Social Responsibility–CSR) योजना से निर्मित छात्रावास सहित प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम के दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, विशिष्ट पूर्व छात्र सम्मान एवं बैच–वार सम्मान प्रदान किए गए। समारोह का समापन पूर्व छात्रों द्वारा शिक्षकों के सम्मान के साथ हुआ।

वन मंत्री केदार कश्यप और पूर्व सांसद दिनेश कश्यप को मातृ-शोक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और पूर्व सांसद व जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप की माताजी मनकी देवी कश्यप के निधन से बस्तर अंचल सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर फैल गई है।

निधन की सूचना मिलते ही उनके गृहग्राम फरसागुड़ा में शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में

आम नागरिक और स्थानीय जनप्रतिनिधि गांव पहुंचे।

शोक सन्देश पाकर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, विधायक किरण सिंह देव और विधायक चैतराम

अटामी फरसागुड़ा पहुंचे। उन्होंने दिवंगत मनकी देवी कश्यप के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

इसके अलावा अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, पूर्व विधायक संतोष बाफना, मोहन मरकाम, छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम सहित अनेक वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और कश्यप परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

बिरगांव को मिली बड़ी स्वास्थ्य उपलब्धि, एनकेडी हॉस्पिटल को NABH मान्यता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बिरगांव क्षेत्र के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि एनकेडी हॉस्पिटल ने NABH (एंट्री लेवल) की मान्यता प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि अस्पताल के प्रबंधन, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं समस्त कर्मचारियों के निरंतर, अनुशासित और गुणवत्तापूर्ण प्रयासों का परिणाम है।

एनकेडी हॉस्पिटल बिरगांव का पहला ऐसा अस्पताल बन गया है जिसे NABH (National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers) की एंट्री लेवल मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता अस्पताल की कार्यप्रणाली, मरीजों की सुरक्षा, उपचार की गुणवत्ता, स्वच्छता, आपातकालीन सेवाओं, दवा प्रबंधन एवं मानक प्रोटोकॉल के पालन को प्रमाणित करती है।

बिरगांव जैसे औद्योगिक एवं तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में 100 बिस्तरों की क्षमता वाला एनकेडी हॉस्पिटल पहले से ही आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के लिए जाना जाता है। NABH की मान्यता मिलने के बाद यह स्पष्ट रूप से स्थापित हो गया है कि अस्पताल न केवल इलाज प्रदान करता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुरक्षित और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएँ भी उपलब्ध करा रहा है।

इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि NABH मान्यता का उद्देश्य केवल एक प्रमाण पत्र प्राप्त करना नहीं, बल्कि मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और मानवीय स्वास्थ्य सेवाएँ देना है। यह उपलब्धि भविष्य में और अधिक उन्नत सेवाएँ, आधुनिक तकनीक एवं मरीज–केंद्रित उपचार पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगी।

स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों ने एनकेडी हॉस्पिटल की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है और इसे बिरगांव के स्वास्थ्य ढांचे को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला कदम बताया है। यह मान्यता निस्संदेह बिरगांव के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो क्षेत्र को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करती है।

स्वदेशी मेले के तीसरे दिन स्वावलंबी भारत अभियान पर संगोष्ठी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित स्वदेशी मेले के तीसरे दिन की शुरुआत स्वावलंबी भारत अभियान विषय पर आयोजित संगोष्ठी से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. एन. वी. रमन राव, डायरेक्टर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ह्वढ्ढञ्) रहे। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पवन कटारिया, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, ह्वढ्ढञ्) रायपुर एवं ऑफिसर इंचार्ज, ह्वढ्ढञ् रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की प्रस्तावना सुमन जी ने रखी। अपने संबोधन में डॉ. पवन कटारिया ने उदाहरणों के माध्यम से देश के सफल उद्योगपतियों की जानकारी देते हुए स्वदेशी उत्पाद अपनाने पर बल दिया। त्रिलोकचंद बरडिया जी ने छत्तीसगढ़ के सफल उद्यमियों के अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि डॉ. रमन राव ने भविष्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान चिराग जी ने स्वदेशी संकल्प दिलाया।

संगोष्ठी में डॉ. इला गुप्ता (अध्यक्ष, महिला विंग, चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्रीमती नम्रता अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), मनीषा सिंह (सह

संयोजिका, स्वदेशी मेला) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। दिग्विजय भाकरे जी के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यक्रम संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने भी स्वावलंबी भारत अभियान पर अपने विचार रखे और उद्यमिता के लिए प्रेरित किया गया।

मेहंदी एवं केश–सज्जा प्रतियोगिता संपन्न

दोपहर में मेला परिषद द्वारा मेहंदी एवं केश–सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में 90 प्रतिभागियों ने 10ङ्क17 वर्ष एवं 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में भाग लिया। प्रतिभागियों ने मोर, जगन्नाथ मंदिर, हाथी, दूल्हा–दुल्हन, स्वदेशी मेला एवं राम मंदिर जैसे आकर्षक डिज़ाइन प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में प्रिया यादव एवं वंदना ठाकुर रहीं, जबकि अतिथि अविनाश नायक रहे। प्रतियोगिता का संचालन अर्चना वोरा के नेतृत्व में किया गया।

इसके पश्चात आयोजित केश–सज्जा प्रतियोगिता में लगभग 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक कल्पना वर्मा एवं मंजू देवांगन रहीं। परिणाम इस प्रकार रहे–

प्रथम: मोहम्मद इशरार
द्वितीय: दुर्गा साहू
तृतीय: हुमयारा अंजुम

प्रतियोगिता प्रभारी अमृता श्रीवास्तव रहीं।

सांस्कृतिक संध्या में बंगाली समाज की प्रस्तुति

शाम के मंचीय कार्यक्रम में बंगाली समाज द्वारा प्रस्तुत सोनार बंगला कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रुद्र नृत्य कला के निर्देशक सोम राय चौधरी एवं उनकी टीम ने आकर्षक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर श्री तन्मय चटर्जी (अध्यक्ष) एवं श्री विवेक वर्धन (सचिव, कालीबाड़ी समिति) का सम्मान किया गया। लोकमंच की प्रस्तुति श्रीमती ममता चंद्रकार ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया।

कार्यक्रम में मेला संयोजक केदारनाथ, सहसंयोजक जसप्रीत सिंह सलूजा, स्वागत समिति अध्यक्ष आनंद सिंघानिया, सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच जगदीश पटेल, प्रांत मेला प्रमुख अमर बंसल, महिला मेला प्रमुख आरती दुबे, सह महिला प्रमुख सीमा शर्मा सहित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आज का कार्यक्रम (21 दिसंबर)

आज स्वदेशी मेले में स्वदेशी उद्यमिता: ग्लोबल से लोकल विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। दोपहर 1 से 2:30 बजे तक रंगभरो एवं चित्रकला प्रतियोगिता, दोपहर 3 बजे से शिशु वेशभूषा प्रतियोगिता होगी। सामाजिक समागम में शाम 5 बजे उड़ीया समाज की प्रस्तुति तथा मंचीय कार्यक्रम में सुजाता शुक्ला ङ्क शिखर कला मंच की प्रस्तुति होगी।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444